Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-218 ● रायपुर, बुधवार 06 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-सप्तमी

3

ग्रामीण ने की नहर में पीचिंग कार्य किये जाने की मांग

5

कसडोल क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की बढ़ते शिकायतों पर कलेक्टर ने लगाई आबकारी अधिकारी को कड़ी फटकार...

7

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान

सुविचार

जब हम खुद में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं तभी हमें आसपास अच्छा देखने को मिलता है।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

तामिलनाडु में सामूहिक हत्याकांड, एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुपुर में एक चौंकाने वाली घटना में दो महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, स्थानीय व्यापारी सेंथिल कुमार ने अपने खाली प्लॉट पर शराब पीने वाले एक गिरोह के लोगों से पूछताछ की थी। इसके बाद झगड़ा शुरू हो गया और जो लोग नशे में थे, उन्होंने सेंथिल कुमार पर छुरी और दरांती से हमला कर दिया। उसके परिवार के सदस्यों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन गिरोह ने उन सभी पर बेरहमी से हमला किया और चारों की मौत हो गई। अन्य मृतकों की पहचान मोहनकुमार, रथिनम्बल और पुष्पावती के रूप में हुई। पल्लदम पुलिस मौके पर पहुंची और सेंथिल कुमार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि ग्रामीणों ने अन्य के शवों को मौके से हटाने नहीं दिया। पुलिस ने कहा कि वे क्रूर हत्याओं के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं और संदेह है कि इस क्रूर कृत्य के पीछे सेंथिल कुमार के एक पुराने कर्मचारी वेंकिट्सन और उसका गिरोह था।

यूपी में मवेशी चराने को लेकर हुए विवाद में एक की मौत

अंबेडकर। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि अंबेडकर नगर में मवेशी चराने को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में 18 वर्षीय विनोद कुमार की मौत हो गई। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खबरों के मुताबिक, रविवार की रात अजय कुमार और उसके साथी भदोही गांव में शीला देवी के घर उनके खेत में मवेशी चराने की शिकायत करने पहुंचे। इसी दौरान बहस शुरू हो गई। पुलिस ने कहा, आरोप है कि अजय के साथ आए अशोक, महेंद्र कुमार, राजेश कुमार, ब्रिजेश कुमार, शिमला और श्यामा ने शीला व उसके परिवार के सदस्यों पर पथराव शुरू कर दिया। शीला देवी के रिश्तेदार विनोद कुमार उर्फ कल्लू ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इसी बीच एक ईंट उसके सिर पर लगी और वह बेहोश हो गया। विनोद को जलालपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की सात गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा। नोएडा में बीती देर रात लिफ्ट बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते लपटें आसमान को छूने लगीं। फैक्ट्री में तैनात गार्ड ने इसकी सूचना लोकल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। फिलहाल इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली। नोएडा के थाना फेज 1 कोतवाली के क्षेत्र में स्थित सेक्टर-3 में लिफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री में देर रात आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं । और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। जब आग लगी उस समय फैक्ट्री बंद थी। जिसके कारण किसी जनहानि या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बीजेपी आयोजित करेगी अल्पसंख्यक सम्मेलन

फिर जगह क्यों उगलते हैं, इनके मुंह में राम,बगल में छुरी-भूपेश बघेल

■ सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के बाद स्थिति ऐसी है कि अभी राष्ट्रपति भवन से जो निमंत्रण पत्र मिला है,उसमें प्रेसिडेंट ऑफइंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफभारत लिखा हुआ

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में राजनीतिक पार्टियां विधानसभा चुनाव से पहले हर वर्ग को साधने जुटी हुई है। ऐसे में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा 6 सितंबर को राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है, जिसे लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निशाना साधा है। सीएम ने कहा कि इनके मुंह में राम और बगल में छुरी है,सम्मान करना अच्छी बात हैं लेकिन दिल से करें लेकिन ये जहर क्यों उगलते हैं। बता दें कि रायपुर के शहीद स्मारक भवन में बीजेपी का अल्पसंख्यक सम्मेलन होगा। जिसमें प्रदेशभर से 2 हजार से ज्यादा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होने की बात कही जा रही है। अल्पसंख्यक मोर्चा से मिली जानकारी के मुताबिक सम्मेलन में अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन, संगठन महामंत्री पवन साय, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, घोषणा पत्र समिति अध्यक्ष सांसद

विजय बघेल समेत की नेता मौजूद रहेंगे। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का बयान आया है, जिसमें उन्होंने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा था कि ये नाम सफलता नहीं दिला सकती हमने भी शाइनिंग इंडिया का नारा दिया था लेकिन हम हार गए थे अब उनकी हार सुनिश्चित है। जिसे लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के बाद स्थिति ऐसी है कि अभी राष्ट्रपति भवन से जो निमंत्रण पत्र मिला है,उसमें प्रेसिडेंट ऑफइंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफभारत लिखा हुआ है। उन्होंने कहा कि इन्हें इंडिया शब्द से इतनी तकलीफ है, संविधान में ही लिखा है, वहां से शुरुआत होती है। इस देश को भारत भी कहा जाता है, भारतवर्ष भी कहते है और पंडित जी जब पढ़ते हैं तो जम्मू द्विपे, भारत खंडे कहते हैं। कितने ही नाम से देश को जाना जाता है और इनको इंडिया नाम से परहेज है। उन्होंने कहा कि आज इंडिया गठबंधन बना है, उनसे इनको परहेज हो रहा है, अगर कल कोई भारत नाम का संगठन बने तो क्या वो भी बदलेंगे।

262 शख्सियतों ने सुप्रीम कोर्ट को लिखा पत्र

उदयनिधि स्टालिन के बयान पर सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग.

नई दिल्ली। एजेंसी

तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए बयान पर विवाद गहराता जा रहा है। अब 262 प्रतिष्ठित हस्तियों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर मामले में दखल देने का अनुरोध किया है। उदयनिधि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं। भारत की 262 प्रतिष्ठित हस्तियों ने चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर उदयनिधि स्टालिन के भाषण का स्वत संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि उदयनिधि द्वारा दिया गया नफरत भरे भाषण से समाज में सांप्रदायिक हिंसा भड़क सकती है। इसलिए इस मामले का अदालत स्वत: संज्ञान ले। पत्र में कहा गया है कि हम सभी लोग उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणियों से बहुत चिंतित हैं। देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बनाए रखने के लिए कार्रवाई की जरूरत है। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार ने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है और कथित तौर पर अदालत के आदेशों की अवमाननाकी है।

उसने कानून के शासन को मजाक बना दिया है। जिन 62 शख्सियतों ने सीजेआई को पत्र लिखा है, उसमें तेलंगाना हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली, झारखंड, राजस्थान, इलाहाबाद, पंजाब और हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम के पूर्व जज शामिल हैं। इसके साथ ही, पूर्व विदेश सचिव, यूपी के पूर्व डीजीपी, भारत सरकार के पूर्व सचिव, पूर्व रॉ प्रमुख, सीवीसी के पूर्व सचिव, पंजाब, यूपी और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव शामिल हैं। इसके साथ ही, इनकम टैक्स के पूर्व कमिश्नर, यूनेस्को के पूर्व डायरेक्टर, इनकम टैक्स के पूर्व चीफ कमिश्नर, मध्य प्रदेश और दिल्ली के पूर्व सचिव, ओडिशा के पूर्व स्पेशल सीक्रेटरी, झारखंड के पूर्व आईजी, पूर्व आईपीएस और कंपनी लॉ बोर्ड के पूर्व सदस्य शामिल हैं। पत्र लिखने वालों में 118 आर्म्ड फोर्सेज के अधिकारी भी शामिल हैं। गौरतलब है कि उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। उन्होंने कहा था कि जिस तरह डेंगू और मलेरिया का विरोध नहीं किया जा सकता, उसे खत्म करना पड़ता है।

उदयनिधि अपने बयान पर कायम, बोले- ये बात मैं लगातार कहूंगा

उधर, उदयनिधि अपने बयान पर कायम हैं। उन्होंने 3 सितंबर की शाम को फिर से सनातन धर्म को खत्म करने की बात दोहराई। उदयनिधि ने चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैं फिर से कह रहा हूं कि मैंने केवल सनातन धर्म की आलोचना की है और सनातन धर्म को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। ये बात मैं लगातार कहूंगा। कुछ लोग बचकाना व्यवहार कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मैंने नरसंहार के लिए आमंत्रित किया है। कुछ लोग द्रविड़म को भी समाप्त करने की बात करते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि डीएमके वासियों को भी मार दिया जाना चाहिए' 2 सितंबर को बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने उदयनिधि के बयान को नरसंहार के लिए उकसाने वाला बताया था। जिसके बाद उदयनिधि ने कहा- पीएम मोदी भी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि कांग्रेसियों को मार दिया जाना चाहिए

मंडला में जन आशीर्वाद यात्रा को दिखाई हरी झंडी

शाह बोले-एमपी में 150 सीटों के साथ बनेगी भाजपा सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खराब मौसम के चलते श्योपुर नहीं पहुंचे सके। उन्होंने फोन पर ही सभा को संबोधित किया। शाह ने कहा कि ग्वालियर में बारिश की वजह से हेलिकॉप्टर श्योपुर के लिए नहीं उड़ सका। लेकिन मैं इसी चुनाव अभियान में श्योपुर जरूर आऊंगा। शाह ने फोन पर अपने छोटे संबोधन में कहा कि एमपी में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। 2003 से 2023 तक भाजपा ने एमपी को एक बीमारू राज्य से बेमिसाल राज्य बनाया है। उन्होंने जनता से जन आशीर्वाद यात्रा को आशीर्वाद देने की अपील की। सीएम शिवराज और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी फोन पर ही सभा को संबोधित किया। मंडला में सभा के बाद अमित शाह, सीएम शिवराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीडी शर्मा समेत भाजपा के अन्य नेता ग्वालियर होते हुए श्योपुर पहुंचने वाले थे। लेकिन ग्वालियर में तेज बारिश के चलते वे श्योपुर के लिए रवाना नहीं हो सके। इससे पहले मंडला में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि मध्यप्रदेश में इस बार 150 सीटों के साथ भाजपा की सरकार बनने जा रही है। शाह ने मंडला में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भी आदिवासी बेटा-बेटी को राष्ट्रपति नहीं बनाया

कांग्रेस पार्टी नारा देती थी, जल, जंगल और जमीन की रक्षा करेंगे। उन्होंने तो नहीं की। मोदीजी ने जल, जंगल और जमीन के साथ सुरक्षा, सम्मान, समन्वित विकास का काम किया। भाजपा के अटलजी ने आदिवासी मंत्रालय बनाया। मोदीजी ने दो और जातियों को आदिवासियों में जोड़ा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस घोषित किया। देशभर में 10 जगह पर बिरसा मुंडा, शंकर शाह आदिवासियों के संग्राहलय बनाए।

टीचर्स डे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मीठे बोल

राहुल गांधी बोले विरोधियों को भी अपना शिक्षक मानता हूं.....

नई दिल्ली। एजेंसी

शिक्षक दिवस है और इस दिन को पूर्व राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस असवर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वह अपने विरोधियों को भी अपना शिक्षक मानते हैं, जो अपने व्यवहार, झूठ और शब्दों से उन्हें सिखाते हैं कि वह जिस रास्ते पर चल रहे हैं वह बिल्कुल सही है। शिक्षक दिवस के अवसर पर राहुल गांधी ने हिंदी में एक फेसबुक पोस्ट किया और लिखा, 'मैं महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध, श्री नारायण गुरु जैसे महापुरुषों

को अपना गुरु मानता हूं, जिन्होंने हमें समाज में सभी लोगों की समानता और सभी के प्रति दया और प्रेम दिखाने का ज्ञान दिया। पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी ने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का जीवन में बहुत ऊंचा स्थान होता है क्योंकि एक शिक्षक आपके जीवन के मार्ग को सही दिशा में आगे बढ़ाने में प्रेरणा देता है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के लोग भी शिक्षकों की तरह हैं, जो विविधता में एकता का उदाहरण देते हैं। हमें हर समस्या से साहस के साथ लड़ने के लिए प्रेरित करते हैं और विनम्रता और तपस्या के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने विरोधियों को भी अपना शिक्षक मानता हूं।

चुनाव आयोग का दल भोपाल पहुंचा, तैयारियों की करेगा समीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधान सभा आम निर्वाचन-2023 की तैयारियों की समीक्षा करने भारत निर्वाचन आयोग का दल भोपाल पहुंच गया है। यह दल तीन दिन तक भोपाल में रहेगा और इस दौरान चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के साथ विभिन्न राजनीतिक दल व एजेंसियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेगा। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल के साथ आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों का दल सोमवार की सुबह भोपाल पहुंचा। हवाई अडडे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने अगवानी की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के नेतृत्व में तीन दिवसीय दौरे पर भोपाल में रहने वाला है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर कसा तंज

भारत माता की जय...उद्घोष से कांग्रेस को इतनी नफरत क्यों

नई दिल्ली। एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर देश, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति कोई सम्मान न होने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए पूछा कि विपक्षी दल 'भारत माता की जय' के नारे से नफरत क्यों करता है। जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल एक विशेष परिवार के महिमामंडन को लेकर चिंतित है। दरअसल, खबर सामने आ रही थी कि कांग्रेस के एक केंद्रीय पर्यवेक्षक ने राजस्थान में एक बैठक में 'भारत माता की जय' के नारे लगाए, तो पार्टी सदस्यों को कथित तौर पर डांटा था। इसके बाद ही जेपी नड्डा ने कांग्रेस को घेरा है। कांग्रेस सदस्य ने कथित तौर पर इसे अनुशासनहीनता बताया और उनसे

कांग्रेस के पक्ष में नारे लगाने को कहा। नड्डा ने कहा, जो लोग 'भारत जोड़ो' के नाम पर राजनीतिक यात्रा करते हैं, उन्हें 'भारत माता को जय' के नारे से इतनी नफरत क्यों है उन्होंने दावा किया कि पूरा देश कांग्रेस के इरादों से वाकिफ है, जो देश और संविधान के खिलाफ हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस को देश के सम्मान एवं गौरव से जुड़े हर विषय से इतनी आपत्ति क्यों है भारत जोड़ो के नाम पर राजनीतिक यात्रा करने वालों को 'भारत माता की जय' के उद्घोष से नफरत क्यों है स्पष्ट है कि कांग्रेस के मन में न देश के प्रति सम्मान है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

कैमूर के शिक्षक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों मिला सम्मान

नई दिल्ली/ संवाददाता

देश की राजधानी दिल्ली में शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हांथों कैमूर के शिक्षक अनिल सिंह को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का सम्मान मिला, उन्हें 24वें नंबर पर पुरस्कार दिया गया। यह उपलब्धि हासिल होते ही लोग खुशी के मारे झूम उठे। जिले के रामगढ़ आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल सिंह को राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार मिला है। लगातार कैमूर के रामगढ़ की झोली में राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार मिलने से लोगों में खुशी है। कहावत सच ही है कि अगर व्यक्ति जज्बे के साथ किसी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उपयोग करे तो उसे सफलता मिलनी तय है, जिसको कर दिखाया रामगढ़ के शिक्षक अनिल सिंह ने। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार की श्रेणी में आने वाले

शिक्षकों को संबोधित किया गया। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से शिक्षक दिवस के मौके पर रुबरु होकर शिक्षक गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए रामगढ़ को दूसरी बार सफलता मिलने से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वो भी एक साल के अंतराल के बाद ही दूसरी बड़ी उपलब्धि रामगढ़ को प्राप्त हो रही है। इससे पहले वर्ष 2021 में यह पुरस्कार डहरक मध्य विद्यालय के एचएम हरिदास शर्मा को प्राप्त हुआ था। दोनों विद्यालय की दूरी एक किलोमीटर के अंतराल पर है। यह ख्याति रामगढ़ के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इसके पहले अनिल सिंह को वर्ष 2022 में राज्य शिक्षक पुरस्कार का खिताब मिला था। तब वे मामूली सी त्रुटि के चलते राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पाने से वंचित हो गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा कवताि के तर्ज पर विद्यालय की बेहतरी के लिए अभियान जारी रखा, जिसका प्रतिफल देखने को मिल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त किए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए उन्होंने पटना में नेशनल ज्यूरी के सामनेएक माह पूर्व प्रजेंटेशन दी थी। यह प्रेजेंटेशन गूगल मीट के माध्यम से हुई थी। बता दें कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए इस बार बिहार से जिन तीन शिक्षकों का चयन हुआ है, उसमें रामगढ़ आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के एचएम अनिल कुमार सिंह का चयन दोबारा हुआ है। शाहाबाद से इस श्रेणी में जगह बनाने वाले अनिल एक मात्र शिक्षक है।

जानें मेहंदी का पौधा उगाने के आसान टिप्स

बालों और हाथों पर मेंहदी लगाने का ट्रेंड भारत में सालों से चलता आ रहा है। एक समय पर मेंहदी की कीमत बहुत कम थी, लेकिन इन दिनों मेंहदी बहुत महंगी मिलती है। ऐसे में हम आपके लिए लेकर आए हैं घर पर ही मेंहदी का पौधा लगाने के कुछ टिप्स। आइए जानते हैं घर पर मेंहदी का पौधा कैसे लगा सकते हैं।

मेंहदी का पौधा कैसे लगाएं?

- मेहंदी का पौधा आप बीज से भी लगा सकते हैं और नर्सरी से भी खरीद सकते हैं। सबसे पहले मिट्टी लें और गमले में डालें। अब मेंहदी के पौधे के बीजों को गमले में डालकर ऊपर से और मिट्टी डाल दें।
- इसके बाद आपको गमले में पानी डालना है। चाहें तो नेचुरल खाद भी डाल सकते हैं। अब गमले को कुछ देर के लिए धूप की किरणों में रखें। कुछ दिनों के बाद आपको मेंहदी का पौधा बड़ा होता दिखेगा।

मेंहदी के पौधे के लिए बीज कहां से खरीदें?

- मेंहदी के पौधे के बीज आपको किसी भी नर्सरी में आसानी से मिल जाएंगे। आजकल पौधों के बीज के ऑनलाइन भी आसानी से घर बैठे आसानी से अमोजन जैसी वेबसाइट से मंगवा सकते हैं।

मेंहदी के पौधे के लिए खाद

- मेंहदी के पौधे के लिए हमेशा नेचुरल खाद का इस्तेमाल करें। गाय के गोबर और सब्जियों के छिलकों में मौजूद पोषक तत्तव पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

मेंहदी का पौधा लगाकर होगी बचत

- मेंहदी का पौधा लगाकर आप हाथ और बालों के लिए मेंहदी खरीदने से बच सकते हैं। इसके अलावा आप घर पर मेहंदी बनाकर बिक्री भी कर सकते हैं। इससे आपकी सेविंग होगी।

फैशन से ही नहीं व्यक्तिव से बनें स्टाइलिश

आपका स्टाइल आपका अपना हुआ करता है। ये इस बात से इतर है कि फैशन क्या है और ट्रेंड क्या है। सही है कि कुछ चीजें समय के साथ बदलती है, मगर ये भी सही है कि कुछ चीजें समय के बाद नहीं भी बदलती है। बात कुल मिलाकर यह है कि आपको अपना स्टाइल खुद ही विकसित करना चाहिए। ट्रेंड क्या है, और क्या हॉट रहने वाला है से आगे है आपकी अपनी स्टाइल। आप अपनी स्टाइल खुद चुनकर तो देखें। आपकी स्टाइल का संबंध आपके कपड़ों और आपके फैशन सेंस से कम, आपके व्यक्तित्व से बहुत ज्यादा है। आपका व्यक्तित्व ही आपकी स्टाइल है, बस इसमें कुछ और चीजें एड कर लें।

परिपक्व बनें

युवा नजर आने के लिए लोग तरह-तरह के स्टाइल बरतते हैं। फंकी लुक, कलर्ड हेयर, फंकी हेयर स्टाइल... इससे आप यंग तो लग सकते हैं, लेकिन यह आपके व्यक्तित्व को ग्रेविटी नहीं देता है। यदि आप वेल-ड्रेस्ड और आकर्षक लगना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप परिपक्व हों। क्योंकि चाहे जो हो मेच्योरिटी भी एक गुण तो है ही। आखिर इससे ही तो एक लड़का, पुरुष होता है। परिपक्वता पौरुष दिखाती है और इसलिए सम्मान भी हासिल करती है। और यही वह क्वॉलिटी है जो लोग आपमें देखना चाहते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि आप अपने पिता की तरह ही ओल्ड फैशंड और पेस्टल कलर्स के कपड़े पहनें और क्लासिक शूज, वॉचेज आदि का इस्तेमाल करें। इसका सीधा-सा मतलब है कि आप खुद को टीनएजर लड़के की तरह दिखाना बंद करें।

जीन्स कंटीन्यू रखें

लोअर के तौर पर आप जीन्स पहन सकते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है। आमतौर पर टीशर्ट को जीन्स के साथ ही पेयर किया जाता है, लेकिन यदि आप इस पर शर्ट भी पहनते हैं तो जीन्स अच्छा लगता है। बस अपनी बॉडी साइज और बॉडी शेप पर गौर कर लें। बहुत लंबे और दुबले हैं तो स्किनी जीन्स पहनने से बचें। थोड़े मोटे हैं तो बैगी को एकदम ही अवाइड करें। जीन्स भी क्लासिक ही पहनें, फेडेड या किसी और तरह की जीन्स न पहनें। बहुत बड़े लोगो वाली जीन्स या कोई और ड्रेस भी अवाइड करें। डार्क ब्लू कलर की सिंपल और स्ट्रेट जीन्स का उपयोग करें।

ग्राफिक टी-शर्ट नहीं

अपनी टीनएजर छवि से बाहर आने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप ग्राफिक टी-शर्ट पहनना बिल्कुल बंद कर दें। ये सच है कि ये हरेक को बहुत पसंद आती है। ये दिखती भी अच्छी है और आरामदायक भी रहती है, इसलिए हरेक इसे लगातार पहने रखना चाहता है। लेकिन अब आपको इसे पहनना बंद कर देना चाहिए। आपके पास इसके लिए बहुत सारे दूसरे और अच्छे विकल्प है। इसे इस तरह देखें कि फिल्मों में कोई भी डिसेंट टाइप का कामकाजी, मतलब रोजगार याफ्ता हीरो इस तरह की टी-शर्ट में नजर नहीं आएगा। आप ऐसा तो नहीं ही चाहेंगे कि लोग आपके पुरुष में छोटे लड़के की छवि भी देखें। इसकी बजाए आप प्लेन या फिर लाइनिंग वाले टी-शर्ट पहनें। बल्कि इससे भी ज्यादा अच्छा तो यह है कि आप कैजुअल शर्ट्स या फिर पोलोज पहनें। जो आपके व्यक्तित्व में ज्यादा निखार लाएगा।

लेयर्स में पहनें

यदि कपड़ों का रंग डल है तो उन पर कुछ और ट्राय करें। अपने कपड़ों को और भी ज्यादा आकर्षक बनाएं। असल में कई लोगों को यह पता ही नहीं होता है कि किस रंग को किस रंग के साथ मैच करें। या फिर किस तरह के ट्राउजर के साथ किस तरह के शर्ट या फिर पोलो के साथ मैच करें। इस बारे में बहुत जानने की जरूरत भी नहीं है। यदि किसी ने एक प्लेन ग्रे स्वेटर और जींस पहना तो इसमें कुछ बुराई भी नहीं है, लेकिन ये उतना स्टाइलिश नहीं होता है। अब सफेद शर्ट के साथ ग्रे स्वेटर को कंबाइन करें। यह पहले से बेहतर नजर आएगा। ऐसे ही ब्लू ब्लैजर को पिंक शर्ट या यलो शर्ट या फिर स्काई ब्लू शर्ट के साथ पेयर अप करें। खूबसूरत लगेगा।

ब्लेजर के बारे में क्या खयाल है?

ठीक है कि बहुत फॉर्मल ड्रेसेस हमेशा पसंद नहीं आती है। हमेशा सूट-बूट टाई हो ये जरूरी नहीं है। हमारे देश और हमारे यहां के मौसम में यह बहुत उपयोगी भी नहीं है, लेकिन खास मौकों पर ब्लेजर तो पहना ही जा सकता है। खासतौर पर गर्मी के अतिरिक्त किसी पार्टी या फिर शादी के मौके पर ब्लेजर प्लेन टी-शर्ट या फिर प्लेन शर्ट के साथ ब्लेजर को कंबाइन करें, खूबसूरत के साथ- साथ स्मार्ट भी लगेगा।

कलाई न रहे सूनी

अब घड़ी की जरूरत सिर्फ समय देखने के लिए नहीं हुआ करती है। इसलिए कई लोगों ने जो इसके उपयोग पक्ष पर निर्भर करते थे घड़ियों को अपनी स्टाइल लिस्ट से हटा दिया है। लेकिन याद रखें कि यह भी एक्सेसरी है जो आपको कंप्लीट मेन की तरह प्रस्तुत करती है। ऐसा इसलिए भी है कि खाली कलाई बहुत अच्छी नजर नहीं आती है। आप चाहें तो घड़ी पहनें या फिर लेदर ब्रेसलेट लेकिन कलाई में कुछ पहनें जरूर।

करो अपने मन की

हर मौसम में फैशन की दुनिया से कुछ न कुछ इन और आउट होता रहता है। कभी रंगों को लेकर उनके प्रिडिक्शन रहा करते हैं, कभी कपड़ों के कट-फिट्स को लेकर। याद रहें कि अक्सर ये सब पश्चिमी दुनिया से आए प्रिडिक्शन हुआ करते हैं। हमारे यहां का मौसम, शारीरिक बनावट, अवसर और जरूरत बिल्कुल अलग-अलग हुआ करते हैं। इसलिए बजाए इस बात को फॉलो करने के कि फैशन की दुनिया क्या कह रही है, वे पहनें जो सुविधाजनक हो और अपनी उम्र, काम और अवसर के अनुकूल हो। आपकी स्टाइल आपका अपना होगा। ये किसी की कॉपी भी न हो और किसी के इंस्ट्रक्शंस के हिसाब से भी न हो। बस ये याद रखें कि आप क्या हैं, आपका बॉडी टाइपशेप क्या है और आप क्या कर रहे हैं? साथ ही सबसे महत्वपूर्ण कि आप स्वयं को किस तरह से प्रस्तुत करना चाहते हैं?

टाइल्स से जुड़े इन वास्तु नियमों को आप भी अवश्य जानें

टाइल्स को इस्तेमाल करने का चलन काफी बढ़ गया है। यह बहुत महंगी नहीं होती है और इन्हें मेंटेन करना भी काफी आसान होता है। शायद यही कारण है कि लोग अपने घरों की दीवारों से लेकर फर्श, किचन से लेकर बाथरूम तक हर जगह टाइल्स का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

चूंकि इनमें कई तरह के पैटर्न व कलर अवेलेबल होते हैं। तो ऐसे में आपका घर बिल्कुल भी बोरिंग नहीं लगता है। यकीनन घर में टाइल्स का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार है। लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में वास्तु शास्त्र डॉ. आनंद भारद्वाज आपको बता रहे हैं कि घर में टाइल्स का इस्तेमाल करते समय आपको किन छोटी-छोटी बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए-

लाइट कलर का करें इस्तेमाल

जब आप घर में टाइल्स का इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप लाइट कलर का ही इस्तेमाल करें। भले ही आप अपने घर में कहीं पर भी टाइल्स का इस्तेमाल करें तो बहुत गहरा रंग इस्तेमाल करने से बचें। टाइल्स में ऑफ लाइट या लाइट बेज कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो टाइल्स में व्हाइट कलर भी यूज कर सकती हैं। इससे उस स्थान की एनर्जी बढ़ जाती है।

डिजाइन पर दें ध्यान

आजकल अपने घर को डिजाइन करते समय लोग टाइल्स से तरह-तरह के पैटर्न बनाते हैं। इस बात में कोई समस्या नहीं है। आप दो तीन तरह की टाइल्स को मिक्स करके एक खूबसूरत पैटर्न बना सकती हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि वह पैटर्न ज्योमेट्रिकल हो, ना कि एब्सट्रैक्ट। अगर टाइल का डिजाइन एब्सट्रैक्ट होता है तो इससे घर में नेगेटिविटी बढ़ने लगती है। साथ ही साथ, इससे परिवार के सदस्यों को किसी भी तरह का फैसला लेने में परेशानी होती है।

दीवारों पर करें अवॉयड

घर में टाइल लगाने का चलन काफी बढ़ गया है। लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप घर में दीवारों पर टाइल्स ना लगाएं। टाइल्स को बाथरूम या किचन की दीवारों पर लगाया जा सकता है। लेकिन इन्हें कमरे की दीवारों पर नहीं लगाना चाहिए। दरअसल, वास्तु के अनुसार यह एक ब्रीदिंग मटेरियल नहीं है। इसलिए, जब इन्हें दीवारों पर लगाया जाता है तो इससे व्यक्ति को प्रॉब्लम हो सकती है। अगर कभी बहुत अधिक मजबूरी हो, तभी आप किसी एक दीवार पर टाइल लगा सकते हैं।

ना बनाएं स्वास्तिक डिजाइन

कई बार जब लोग अपने घर में टाइल्स लगाते हैं तो तरह-तरह की टाइल्स से डिफरेंट पैटर्न बनाते हैं। लेकिन अगर आप फर्श पर टाइल्स लगा रही हैं तो इस बात का खासतौर पर ध्यान रखें कि वहां पर स्वास्तिक का डिजाइन ना बनाएं। इसका अपना धार्मिक महत्व होता है और इसलिए इसे जमीन पर बनाना व चलना अच्छा नहीं होता है। तो अब आप भी घर पर टाइल्स लगाते समय इन बातों का ध्यान रखें और अपने घर में पॉजिटिविटी को बनाए रखें।

सार-समाचार

कलेक्टर ने दिलाई स्वच्छता पखवाड़े की शपथ

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर स्वच्छता पखवाड़ा 01 से 15 सितम्बर 2023 के तारतम्य में 05 सितम्बर 2023 को कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के समस्त जिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। जिसमें वन मण्डलाधिकारी, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा एवं सुश्री प्रियंका वर्मा, सर्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नन्दजी पाण्डेय, सागर सिंह राज, दीपिका नेताम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आर.एस. सिंह, उप संचालक समाज कल्याण विभाग बेनेदिक्ता तिर्की, सहायक आयुक्त विश्वनाथ रेड्डी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग चन्द्रबेस सिंह सिसोदिया, सर्व मुख्य नगरपालिका अधिकारी, शिक्षा विभाग से जिला मिशन समन्वयक शशिकांत सिंह, सहा. संचालक रविन्द्र सिंहदेव, सहा. परियोजना समन्वयक शोभनाथ चौबे, दिनेश कुमार द्विवेदी एवं सुरविन्द कुमार गुर्जर आदि अन्य जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समावेशी शिक्षा अन्तर्गत एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सम्पन्न

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ रायपुर के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री संजय अग्रवाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक सुश्री लीना कोसम के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल, जिला मिशन समन्वयक शशिकान्त सिंह तथा सहायक संचालक रविन्द्र सिंहदेव के मार्गदर्शन में एवं सहायक परियोजना समन्वयक (समावेशी शिक्षा) शोभनाथ चौबे के समन्वय से शासकीय कन्या उ.मा.वि. विश्रामपुर के सभाकक्ष में दिव्यांग बच्चों के जीवन को सुगम एवं सरल बनाने तथा उनका सही पहचान कर लाभान्वित किये जाने के उद्देश्य से जिले के सभी 6 विकासखण्डों के लगभग 200 प्रधान शैक्षिक प्रशासकों, माता-पिता एवं अभिभावकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला 04 सितम्बर 2023 को सम्पन्न हुई। कार्यशाला का शुभारंभ कलेक्टर के द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कलेक्टर द्वारा दिव्यांग छात्र एवं छात्राओं का सही-सही पहचान कर उन्हें उचित लाभ प्रदान किये जाने के संबंध में प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि कोई भी दिव्यांग, दिव्यांग नहीं होता बल्कि वह किसी अन्य रूप में सामान्य लोगों से विशिष्ट होता है। ईश्वर ने यदि उसे किसी तरफ कमजोर किया है तो दूसरी ओर विशिष्ट बनाया है। आवश्यकता है हम सभी को उनके बेहतरी के लिये अच्छा कार्य किये जाने की। आज दुनिया में बिना हाथ-पैर वाले दिव्यांग भी ओलंपिक में गोल्ड मेडल प्राप्त कर रहे हैं तथा सर्वोच्च पदों पर भी आसीन हैं। उनके प्रति हमारे नकारात्मक विचारों को बदलकर सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों के द्वारा दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016, 21 प्रकार की दिव्यांगता, शासन से प्रदत्त सुविधाएं, माता-पिता अभिभावक एवं शिक्षकों के रूप में दायित्व आदि विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मास्टर ट्रेनर प्रमोद कुमार टण्डन, किशोर कुमार मुखर्जी, विद्यालय के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य एवं व्याख्याता अमर कुमार जैन, संतोष उपाध्याय एवं उनकी टीम, संकुल शैक्षिक समन्वयक गौरी शंकर पाण्डेय, दया सिंधु मिश्रा, संकुल प्रभारी हर्ष नारायण शर्मा तथा विभिन्न विकास खण्डों के बीआरपी (समावेशी शिक्षा) विनोद कुमार यादव, श्रीमती राधा नन्दी, इंदुमती तिग्गा, रमाकांत नर्मदा एवं अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

सहकारी समिति की सदस्यता सूची पर दावा आपत्ति 7 सितम्बर तक

बिलासपुर :- 5 सितम्बर 2023 को जीटी ईडन कोर्ट रेसिडेंसियल सहकारी समिति मर्यादित लिंगियाडीह की सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 7 सितम्बर तक कार्यालयीन समय में सोसाइटी कार्यालय में इन्द्र कुमार के समक्ष प्रस्तुत किये जा सकते है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण कर सदस्यता सूची का अंतिम प्रकाशन 8 सितम्बर को किया जाएगा।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं, संबंधित अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

ग्रामीण ने की नहर में पीचिंग कार्य किये जाने की मांग

बिलासपुर:- 5 सितम्बर 2023 को जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज जिले के आम लोगों के साथ ही बुजुर्ग, महिलाएं एवं ग्रामीण किसान अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर के समक्ष पहुंचे । कलेक्टर संजीव कुमार झा ने सभी की समस्याओं को बड़े ही इत्मीनान के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए।

जिले के घुटकू ग्राम के निवासी सुरेन्द्र कुमार चौहान द्वारा नहरों में पीचिंग कार्य नहीं होने के कारण सिंचाई कार्य में आ रही बाधा को दूर करने के संबंध में कलेक्टर के समक्ष अपनी बात रखी गई।

कलेक्टर झा ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को इस हेतु आवश्यक निर्देश दिए। कोटा ब्लॉक के भैंसाझार के ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत में ही नवीन धान खरीदी उपकेंद्र खोले जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि रतनपुर से कोटा के मध्य पुल क्षतिग्रस्त होने से वर्तमान में धान विक्रय हेतु जाने में समस्या हो रही है। मस्तूरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत लोहर्सी की सरपंच, पंच एवं अन्य ग्रामीण ने कलेक्टर को बताया कि उनके ग्राम के कुछ व्यक्तियों द्वारा आम रास्ते पर बाऊंड्री वॉल का निर्माण कर अवैध कब्जा किया गया है। उन्होंने कलेक्टर के समक्ष गांव के लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए अवैध निर्माण को हटाने एवं पुन: निकासी बहाल करने की बात रखी। कलेक्टर द्वारा उक्त समस्या के निराकरण हेतु मस्तूरी तहसीलदार को इसकी जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कोटा विकासखण्ड निवासी रामदीन द्वारा नेशनल हाईवे निर्माण हेतु अधिग्रहित की गई भूमि की मुआवजा राशि के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्या रखी गई। इस संबंध में कलेक्टर झा ने समस्या के जल्द निराकरण किये जाने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने बिल्हा ब्लॉक के ग्राम गढ़वट के किसानों की मांग पर भकरबंधा तालाब से सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के निर्देश दिए। मछली पालन के लिए ठेकेदार द्वारा पानी छोड़ने से इंकार किया जा रहा था।

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के 136वीं जन्म उत्सव शिक्षक दिवस के रूप में मनाए...

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद, दार्शनिक, भारत रत्न रहे

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :- आज स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर बेलतरा में भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी भारत रत्न का जन्म दिवस मनाया गया । बच्चों ने भारी उत्साह के साथ विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया द्य सर्वप्रथम बच्चों द्वारा व्यवस्था के अनुसार शिक्षक शिक्षिकाओं का फूल माला एवं तिलक लगाकर स्वागत किया द्य उसके पश्चात सभी स्टाफ एवं बच्चे डॉक्टर

राधाकृष्णन एवं सरस्वती माता, स्वामी विवेकानंद की छाया चित्र का पूजा करके सरस्वती वंदना गाया द्य फिर बच्चों ने बारी-बारी से छायाचित्र पर पुष्प एवं गुलाल अर्पित किए द्य बच्चों द्वारा बहुत ही अच्छा प्रयास एवं छोटे से लेकर बड़े बच्चों द्वारा नृत्य, गायन एवं डॉक्टर सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन जी के जीवन पर आधारित कुछ घटनाओं का व्याख्यान किया गया द्य आज शिक्षक दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा निर्धारित वेशभूषा में सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं दिखे द्य इस कार्यक्रम के पश्चात सभी स्टाफ ने बच्चों का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में उपस्थित गगन कुमार कौशिक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना है इससे आप लोगों को कार्यक्रम व्यवस्था एवं तैयारी के बारे में समझोगे द्य आज स्कूल लेवल पर हो रहा है कल कॉलेज लेवल पर होगा उसके पश्चात और बड़े-बड़े कार्यक्रम का आयोजन करना है द्य आज छोटी शुरुआत जरूर है कल इससे काफी बड़ा कार्यक्रम करना है द्य बच्चों द्वारा गगन कुमार कौशिक, सुमित, नरेंद्र, शुभम, वर्षा, पूर्णिमा, तारिणी, मरियम, नीतू, शांति, ज्योति एवं दीप्ति का सम्मान किया द्य सभी स्टाफ ने डॉक्टर राधाकृष्णन जी का आभार व्यक्त किया जिनके कारण आज शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान एवं आदर पूर्ण भारत देश में किया जाता है।

धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विकासखंड रामानुजनगर के सभी स्कूलों में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इसी क्रम में माध्यमिक शाला पतरापाली के छात्रों ने विद्यालय के प्रधानपाठक एवं शिक्षको को फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत गान गाकर स्वागत किया। उसके बाद शिक्षको ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। मौके पर प्रधानपाठक बीआर हितकर ने कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता प्राचीनकाल से चलते रहा है और आज भी यह कायम है। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता एवं गुरु शिष्य के रिश्तों का व्याख्यान किया। उच्चवर्ग शिक्षक महेन्द्र पटेल ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर संछिप्त प्रकाश डाला। संकुल समन्वयक जेडी सिंह ने कहा कि छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने आगे चल के अपने लक्ष्य को प्राप्त करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि वर्ष 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला, तो उनके छात्र 5 सितंबर को एक विशेष दिन के रूप में मनाने की अनुमति मांगने के लिए उनके पास पहुंचे। तब राधाकृष्णन ने कहा कि 'मेरा जन्मदिन अलग से मनाने की बजाय अगर इस दिन को शिक्षक

दिवस के रूप में मनाया जाएगा तो मुझे गर्व होगा। उनकी इस इच्छा के बाद पहली बार साल 1962 में शिक्षक दिवस मनाया गया था। तब से ही 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। शिक्षक कृष्ण कुमार यादव एवं जायसवाल जी के द्वारा भी सभा का उद्बोधन किया गया मौजूद छात्र छात्राओं ने गुरु शिष्य के परंपरा को निभाने और एक अच्छे छात्र की तरह यह प्रण किया कि वो अपने आस पास रहने वाले अशिक्षित, भटके हुए छात्रों को सही राह दिखाने एवं छात्र-छात्राओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वहीं इस मौके पर छात्रों ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। छात्राओं ने भी एक से बढकर एक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रधानपाठक बीआर हितकर, संकुल प्रभारी जेडी सिंह, उच्चवर्ग शिक्षक महेंद्र पटेल, अनिता सिंह, कृष्ण कुमार, योगेश साहू, रघुराज जायसवाल, बिंदेश्वरी, प्रिया, शालू साहू, मोनिका यादव, सौम्या पटेल, सुमिला, अनुराधा, सुनीता भृत्य आदि छात्र छात्राएं मौजूद थे।

15 पेटी शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिल की पुलिस ने शराब की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 15 पेटी गोवा शराब जप्त किया है। जब्त शराब की कीमत 65 हजार रूपए बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि चार लोग एक वाहन में सवार होकर अवैध रूप से शराब की तस्करी करने जा रहे है। इसके बाद पुलिस ने वाहनों की जांच कर चारों आरोपियों का गिरफ्तार कर लिया,और उनके पास से 15 पेटी गोवा शराब जप्त किया है। जिसकी कीमत 65 हजार रूपए बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी मध्यप्रदेश से शराब लाकर छत्तीसगढ़ में खपाने की फिराक में थे।

बांक घाट कटिंग के नाम पर चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट कलेक्टर से हुई शिकायत

भाजपा ओड़गी मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी व बिहारपुर रामेश्वर बैश के द्वारा दी गई उग्र आंदोलन की चेतावनी

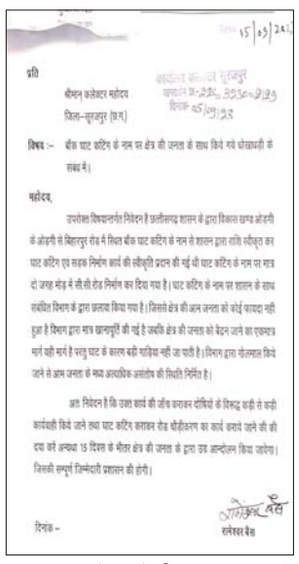

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर भटगांव विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस सरकार बड़ी बड़ी विकास कार्यों की दावा करतीं है. परन्तु सभी दावे फेल हो रहा है भ्रष्टाचार में तब्दील होते हुए नजर अभी हाल ही बना ताज़ा मामला जिले के ओड़गी विकास खंड का है जहां ओड़गी - बिहारपुर मुख्य मार्ग में बांक घाट की कटिंग करने हेतु छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा स्वीकृत राशि प्रदान किया गया था. जिसमें ग्रामीणों के द्वारा निर्माण कार्य में घोर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जा रहा है.

ओड़गी भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी व बिहारपुर रामेश्वर बैश ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन- ओड़गी भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी व बिहारपुर रामेश्वर बैश ने मंगलवार को सूरजपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि बांक घाट कटिंग के नाम पर मात्र दो जगह मोड़ में सीसी रोड निर्माण कर दिया गया है। घाट कटिंग के नाम पर शासन के साथ संबंधित विभाग के द्वारा छलावा किया गया है। जिससे क्षेत्र की आम जनता को कोई फायदा नहीं हुआ है विभाग द्वारा मात्र खानापूर्ति की गई है जबकि क्षेत्र की जनता को बैढ़न जाने का एकमात्र मार्ग यही मार्ग है परंतु घाट के कारण बड़ी गाड़िया नहीं जा पाती है। विभाग द्वारा गोलमाल किये जाने से आम जनता के मध्य अत्याधिक असंतोष की स्थिति निर्मित है ।

15 दिवस के भीतर करें कार्यवाही **अन्यथा करेंगे उग्र आन्दोलन -** मंडल अध्यक्षों के द्वारा यह भी कहा गया है कि उक्त कार्य की जॉच कराकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही किया जावे तथा घाट कटिंग कराकर रोड चौड़ीकरण का कार्य कराये अन्यथा 15 दिवस के भीतर क्षेत्र की जनता के द्वारा उग्र आन्दोलन किया जावेगा । जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।

हलषष्ठी व्रत इस बार यह पर्व सर्वार्थ सिद्ध योग में बेहद खास है

संतान की दीर्घायु, स्वास्थ्य और सुख समृद्धि की कामना के लोकपर्व

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर:- संतान प्राप्ति के साथ पुत्र की दीर्घायु के लिए किए जाने वाला हलषष्ठी, हरछठ, कमरछठ व्रत है। इस बार यह पर्व सर्वार्थ सिद्ध योग में बेहद खास हैं।

आज के दिन माता ने व्रत के लिए भैंस की दूध दही घी एवं उनके गोबर का उपयोग करती हैं साथ ही फलाहारी के लिए पर शहर चावल एवं पांच प्रकार की भाजी जैसे मुनगा, करेला,मखना, कुंदरू,खेड़हा,रोपा आदि प्रसाद के लिए चना मसूर महुआ गेहूं लाई इत्यादि प्रयोग में लाती हैं। व्रत के लिए समस्त माताओं ने एक स्थान पर आचार्य के समक्ष गोल बैठकर बीच में गड्ढा खोदा रहता है जिसे सगरी का नाम दिया जाता है वही पूजा अर्चना करती है। आचार्य पौराणिक कथा कहते हैं जिसे समस्त माताओं श्रद्धा से श्रवण करती है। पूजा के उपरांत घर आकर

अपने पुत्रों के पीठ पर छुंही के पोती आशीर्वाद के रूप में लगती हैं। धार्मिक मान्यता के रूप से पौराणिक कथा कुछ इस प्रकार है। एक राज्य में चन्द्रव्रत नाम का राजा रहता था राजा के एक पुत्र या संतान ही मात्र थी राजा अपने प्रजा एंव राहगीरों के लिए एक तालाब का निर्माण करवाया लेकिन इस तालाब में पानी कभी भरा ही नहीं ऊपर से तालाब के सुखा होने से जितने भी राहगीर तालाब से होकर गुजरते थे वह राजा को भला बुरा कहते थे जब यह बात राजा को पता चली तो राजा बहुत दुखी हुआ क्योकि राजा का धन एंव धर्म दोनों का नुकसान हुआ ऐसे में एक दिन राजा नींद में स्वप्न देखते है जिसमे वरुण देव भगवान दर्शन देते है। वरुण देव भगवान् ने राजा से कहा अगर तुम अपने बेटे की बलि सूखे तालाब में दो तो पूरी तरह से तालाब भर जाएगा इस स्वप्न सुबह में दरबारी को भी सुनाकर, कहा भले ही धन और धर्म खराब हो गया है लेकिन मैं बेटे की बलि नहीं दूंगा

राजा का स्वप्न दरबारी से होते हुए बेटे तक किसी तरह पहुंची बेटा स्वप्न के बारे में जानकार अपनी बलि खुद का विचार बना लेता है। राजा का बेटा तालाब में जाकर बैठ जाता है उसके बाद तालाब पूरी तरह से भर जाता है। लेकिन इस घटना से राजा दुखी होकर वन में चला जाता है। वन में राजा को पांच स्त्री व्रत करते हुए दिखाई दी फिर राजा ने स्त्रियों से इस पूजा के बारें में पूछा तो सभी स्त्रियों ने हलषष्ठी व्रत की सम्पूर्ण विधि-विधान बताया। स्त्रियों के मुख से हलषष्ठी व्रत की सम्पूर्ण विधि-विधान सुनकर राजा अपने राज्य में वापस आ जाता है फिर राजा अपनी पत्नी के साथ मिलकर हलषष्ठी व्रत किया इस व्रत की महिमा से राजा का पुत्र पानी से भरे तालाब से जीवित आ जाता है। इस घटना के बाद से ही हलषष्ठी व्रत कथा एंव व्रत की परम्परा की शुरुवात हुई।

विपक्ष सोशल मीडिया से बचे, रियलिटी बूझे

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियों की तीसरी बैठक में बहुत कुछ तय होने की संभावना है। मुंबई में दो दिन की बैठक में 'इंडिया' की पार्टियां समन्वय समिति बनाने वाली हैं, संयोजक का नाम तय करने वाली हैं, सीट बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है, चुनाव रणनीति बनने वाली है और लोगो व थीम सॉन्ग जारी होने की भी बता कही जा रही है। लेकिन उससे पहले तमाम विपक्षी पार्टियों को अपनी ताकत व कमजोरी का आकलन करना होगा, जमीनी हालात समझने होंगे और भाजपा की ताकत का अंदाजा लगाना होगा। सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बन रहा है उसको आधार बना कर अगर विपक्षी पार्टियां कुछ भी तय करती हैं तो वह बहुत घातक हो सकता है। हालांकि विपक्ष की पार्टियों में ज्यादातर नेता मंजे हुए हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव वाले हैं लेकिन मुश्किल यह है कि सोशल मीडिया इन दिनों हर व्यक्ति के अंदर किसी न किसी तरह का भ्रम पैदा कर देता है।

सोशल मीडिया में सक्रिय हर व्यक्ति टिटहरी की तरह उलटा लटका है और समझ रहा है कि आसमान उसने थाम रखा है। नेताओं के लाखों फॉलोवर हैं तो वे समझ रहे हैं कि यह उनका जनाधार है। अगर ऐसा नहीं होता तो कांग्रेस के नेता रोज ये आंकड़े नहीं पेश करते कि राहुल गांधी को सोशल मीडिया में ज्यादा पसंद किया जा रहा है और नरेंद्र मोदी को कम। इसी तरह पत्रकार और विचारक श्रेणी के लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख कर क्रांति करने का भ्रम पाले हुए हैं। ऐसे पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया देख कर लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की गाड़ी पटरी से उतर गई है। ऐसा भ्रम इसलिए होता है क्योंकि वे तकनीक को नहीं समझते हैं। सोशल मीडिया का अलगोरिद्म हर व्यक्ति को वही दिखाता है, जो उसको पसंद आता है। इससे सत्ता विरोधी लोग घर बैठे बदलाव की आहट सुनने लगते हैं। सो, मुंबई में जुट रही पार्टियों को इसका ध्यान रखना चाहिए कि वे किसी भ्रम का शिकार न हों और उनकी रणनीति वास्तविक स्थितियों को ध्यान में रख कर बने। वास्तविकता यह है कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट बढ़ा है और पिछले करीब 10 साल में शायद ही किसी राज्य में भाजपा का वोट कम हुआ है। राज्यों में वह हारी है तब भी उसका वोट बढ़ा है या पहले जितना बना रहा है। इस हकीकत को

ध्यान में रख कर विपक्ष को अपनी रणनीति बनानी होगी। भाजपा से लड़ने के लिए विपक्षी पार्टियों ने मोटे तौर पर एक गठबंधन बना लिया है। इस गठबंधन की ज्यादातर पार्टियां पहले भी साथ रही हैं और कई पार्टियां अब भी साथ मिल कर चुनाव लड़ती हैं। सबकी विचारधारा मोटे तौर पर एक जैसी है और राज्यों में वोट आधार भी एक जैसा है। इसलिए उसमें थोड़ी बहुत ऊंच-नीच का ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद विपक्ष को केमिस्ट्री, कैंपेन और नैरेटिव की जरूरत है। उसके बाद कैंडिडेट की बारी आएगी। इन चार चीजों के बाद सबसे अंत में चेहरे की जरूरत है, वह नहीं भी हो तो ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला है। विपक्ष के नेताओं को इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि उनके पास नरेंद्र मोदी से मुकाबला का कोई चेहरा नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी की एक विशिष्ठ छवि गढ़ी गई है और उसके बाद देश-विदेश की विस्तारित यात्राओं से वे इस छवि को और मजबूत कर रहे हैं। लेकिन मोदी 13 साल मुख्यमंत्री रहे हैं और साढ़े नौ साल से प्रधानमंत्री हैं। गुजरात से ही उनकी हिंदू हृदय सम्राट की छवि है। मजबूत व निर्णायक नेता के तौर पर उनकी पहचान पिछले कुछ सालों में और मजबूत हुई है। वे राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और मजबूत नेतृत्व तीनों का प्रतीक हैं। इसलिए उनके मुकाबले कोई चेहरा पेश करने की बजाय विपक्ष अगर नैरेटिव पर ध्यान दे तो वह बेहतर होगा।

विपक्ष को मुख्य रूप से नरेंद्र मोदी के दो कार्यकाल के कामकाज पर फोकस करना चाहिए। उनके वादे लोगों को याद दिलाने चाहिए। लोगों से पूछना चाहिए कि अच्छे दिन आए या नहीं? पेट्रोल-डीजल की मार कम हुई या नहीं? महंगाई की मार कम हुई या नहीं? डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत कहां तक पहुंची? कितने लोगों को रोजगार मिला? किसानों की आय दोगुनी करने का क्या हुआ? स्मार्ट सिटी कहां हैं? भाजपा ने 2014 के चुनाव में जितने भी नारे गढ़े थे उन्हें फिर से सामने लाना होगा और लोगों को उसके बरक्स उनकी वास्तविक स्थिति दिखानी होगी। ध्यान रहे यह केंद्र की मोदी सरकार की सबसे कमजोर नस है और इसे प्रधानमंत्री भी समझ रहे हैं। तभी उनकी सरकार ने रसोई गैस सिलिंडर की कीमत दो सौ रुपए घटा कर महंगाई की दिशा मोड़ने का काम शुरू कर दिया है। अब अगले आठ-नौ महीने सरकार का काम लोगों को राहत देना होगा। नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं, ईंधन के दाम घटाए जा रहे हैं, अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दिखाई जा रही है, जी-20 से भारत के वैश्विक नेतृत्व की पताका फहराई जा रही है और अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन की तैयारी चल रही है। विपक्ष को इसके बरक्स अपना नैरेटिव गढ़ना होगा। सत्ता विरोध की लहर तैयार करने से लेकर मुफ्त की रेवड़ी बांटने और जाति का गणित बैठाने जैसे कई उपाय हैं, जिन्हें विपक्ष आजमा सकता है।

नैरेटिव के बाद सबसे जरूरी चीज केमिस्ट्री है। यानी पार्टियों के बीच ऐसा रसायन दिखना चाहिए, जिसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक व सकारात्मक हो। ध्यान रहे राजनीति में सबसे जरूरी चीज रसायन है। अगर वह नहीं बना तो बड़ी से बड़ी पार्टियों का गठबंधन धराशायी हो जाएगा। अभी तक भाजपा की ओर से यह प्रचार किया जा रहा है कि विपक्ष की पार्टियों में कोई केमिस्ट्री नहीं है। उनके बारे में कहा जा रहा है कि वे मोदी विरोध के नाम पर इकट्ठा हुए हैं या भ्रष्टाचार के खिलाफ हो रही कार्रवाई से बचने के लिए इकट्ठा हुए हैं या सत्ता के लालच में एकजुट हो रहे हैं। ये तीनों बातें नकारात्मक हैं और विपक्ष की संभावना को कमजोर करने वाली हैं। उन्हें बताना होगा कि वे देश और नागरिकों के हितों के लिए एकजुट हो रहे हैं। उन्हें सत्ता का लालच नहीं है और न केंद्रीय एजेंसियों का डर है। मोदी विरोधी की बात का भी जवाब देना होगा क्योंकि अगर मोदी विरोध का नैरेटिव बना तो भाजपा को बहुत फायदा हो जाएगा। सो, विपक्षी पार्टियों को आपसी मतभेद खत्म करके और अपने हितों को किनारे रख कर अपनी केमिस्ट्री दिखानी होगी।

जिस चीज पर विपक्षी पार्टियों को सबसे कम ध्यान देना होगा वह है कि नेता कौन बनेगा। विपक्ष को नेता पद की बात छोड़ देनी चाहिए। क्योंकि अगर इस बात को लेकर विवाद हुआ कि संयोजक कौन बनेगा, अध्यक्ष कौन बनेगा, मोदी के मुकाबले चेहरा कौन होगा तो उससे पार्टियों की आपसी फूट जाहिर होगी और जनता के बीच यह मैसेज जाएगा कि यह गठबंधन सत्ता के लिए अभी से खींचतान कर रहा है तो जीतने के बाद क्या होगा। इस मामले में एक राय सामने आनी चाहिए। विपक्ष सामूहिक नेतृत्व पेश करे और यह बताए कि वह जनता की तरफ से चुनाव लड़ रहा है। सरकार बनाम जनता की लड़ाई बनाने के प्रयास पर फोकस होना चाहिए। चेहरा सामने आते ही चेहरे की पड़ताल होने लगेगी और तुलना शुरू हो जाएगी। इसलिए विपक्ष को इससे बचना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि हर मसले पर आम सहमति जाहिर हो।

संपादकीय

शरद पवार को अब रिटायर होने की नसीहत!

एनसीपी के सुप्रीमो शरद पवार अनुभवी हैं, महाराष्ट्र जैसे राज्य के चार बार मुख्यमंत्री रहे हैं, केंद्र में मंत्री रहे हैं, हर पार्टी में उनके शुभचिंतक हैं, बहुत चतुर राजनेता हैं लेकिन उनकी असली ताकत क्या है? पवार की असली ताकत कॉरपोरेट के साथ संपर्क हैं। वे देश के संभवतः इकलौते बड़े राजनेता हैं, जो खुलेआम गौतम अडानी से मिलते हैं। नरेंद्र मोदी की भी अडानी के साथ हवाई सफर करते हुए तस्वीर थी, जिसे राहुल गांधी ने संसद में दिखाया था लेकिन वह पुरानी बात हो गई। पिछले छह महीने से कम समय में गौतम अडानी दो बार शरद पवार से उनके घर पर मिलने गए। यह पवार की ताकत है कि मुकेश अंबानी से लेकर रतन टाटा और गौतम अडानी तक उनके घर जाते हैं। देश के कॉरपोरेट की बड़ी इच्छा रही है कि शरद पवार देश के प्रधानमंत्री बनते। लेकिन अब लगता है कि उनका मोहभंग हो रहा है। जिस समय शरद पवार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की मुंबई में होने वाली बैठक के लिए प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे उसी समय देश के जाने-माने कॉरपोरेट लीडर डॉक्टर साइरस पूनावाला ने उनके अभियान को पंक्चर कर दिया। पूनावाला ने कहा कि पवार को अब रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो बार मौका था, जब पवार प्रधानमंत्री बन सकते थे और प्रधानमंत्री बनने पर वे देश के लिए अच्छा काम करते लेकिन अब उनकी उम्र हो गई है और सेहत साथ नहीं दे रही है इसलिए उनको संन्यास ले लेना चाहिए। वैक्सीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया के संस्थापक 82 साल के डॉ. पूनावाला ने अपनी भी मिसाल दी और कहा कि मेरी तरह ही पवार भी उम्रदराज हो गए। बिल्कुल यही बात अजित पवार ने भाजपा के साथ जाने के बाद पवार के लिए कही थी। हालांकि तब पवार की पार्टी ने इसका बड़ा विरोध किया था। अब सवाल है कि क्या किसी योजना के तहत पवार को उम्र और सेहत का हवाला देकर रिटायर होने के लिए मजबूर किया जा रहा है? क्या इस खेल में नेता और कॉरपोरेट दोनों शामिल हैं? जो हो पवार कम से कम अगले लोकसभा चुनाव तक रिटायर नहीं होने जा रहे हैं। पर इतना जरूर है कि पूनावाला ने उनकी महत्वाकांक्षाओं के गुब्बारे में पिन चुभो दिया है।

नूंह का सार-संक्षेप

नूंह में प्रशासन ने शांति बनाए रखी। अगर बड़े संदर्भ में देखें, तो इस घटनाक्रम में एक बड़ा संदेश छिपा हुआ है। इससे यह साफ हुआ है कि अगर प्रशासन मुस्तैद हो, तो अशांति और दंगों को रोका जा सकता है। सावन की आखिरी सोमवारी को हरियाणा के नूंह में शांति बनी रही। प्रशासन की इस बात के लिए तारीफ की जानी चाहिए कि उसने इसके लिए वहां पुख्ता इंतजाम किए। उन्होंने यह सही फैसला किया कि इस अवसर पर परंपरा के मुताबिक लोग स्थानीय स्तर पर जलाभिषेक करें, लेकिन बाहरी लोगों को वहां आकर जुलूस निकालने और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने इस निर्णय पर प्रभावशाली अमल भी किया। इस तरह महीने भर पहले ऐसे ही जुलूस के कारण जैसा दंगा भड़का था, उसकी आशंकाओं को निर्मूल कर दिया गया। अगर बड़े संदर्भ में देखें, तो इस घटनाक्रम में एक बड़ा संदेश छिपा हुआ है। इससे यह साफ हुआ है कि अगर प्रशासन मुस्तैद हो, तो अशांति और दंगों को रोका जा सकता है। इस बात की पुष्टि आयरलैंड से लेकर अशांति ग्रस्त रहे कई देशों और भारत के सांप्रदायिक दंगों के बारे में हुए अकादमिक अध्ययनों से भी हुई है कि प्रशासन के सचमुच ना चाहने पर पहले तो दंगे भड़कते ही नहीं हैं, लेकिन असामान्य स्थितियों में ये भड़क भी गए, तो कुछ घंटों के अंदर उन पर काबू पा लिया जाता है। लोकतांत्रिक देशों में हुए अध्ययन इस नतीजे पर पहुंचे कि उन दलों के शासनकाल में लंबा खिंचने वाले दंगे लगभग नहीं होते हैं, जिनका सियासी स्वार्थ अल्पसंख्यक समुदायों के वोटों से जुड़ा होता है। यह आम तजुर्बा है कि दंगों में सबसे ज्यादा नुकसान इन्हीं समुदायों को होता है। जबकि आतंकवाद में जान-माल की सबसे ज्यादा हानि बहुसंख्यक समुदाय को उठानी पड़ती है। एक बिंदु पर जाकर ये दोनों परिघटनाओं में संबंध भी कायम हो जाता है। नतीजतन दंगों का होना या उनका जारी रहना अंततः किसी समुदाय के हित में नहीं होता। इसलिए यह अपेक्षा हर सरकार और प्रशासन से रहती है कि वह दंगों और आतंकवाद के प्रति समान सख्त रुख अपनाए। आशा है कि नूंह के अनुभव से देश भर की सरकारें सबक लेंगी। यह सबको याद रखना चाहिए कि हिंसक घटनाओं से ना सिर्फ देश की बदनामी होती है, बल्कि ऐसी घटनाएं लंबी अवधि में आर्थिक खुशहाली की राह रुकावट भी बनती हैं।

गबोन में 56 साला बोंगो राज खत्म

श्रुति व्यास

एक और अफ्रीकी देश, एक और प्रजातंत्र की लौ, कल बुझ गई। देश का नाम है गबोन।

अफ्रीका के पश्चिमी तट के गबोन में शनिवार को एक नई चुनाव प्रणाली के अंतर्गत एक ही बैलट के जरिए संसद सदस्यों और राष्ट्रपति को चुनने के लिए मतदान हुआ। राष्ट्रपति अली बोंगो, जो सात-सात साल के दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं, तीसरे कार्यकाल के लिए प्रत्याशी थे। इस देश में सन् 1960 में फ्रांस से आजाद होने के बाद से केवल तीन राष्ट्रपति हुए हैं। अली बोंगो के पिता उमर बोंगो अपनी मृत्यु तक 2009 में राष्ट्रपति थे। उन्होंने चालीस साल से अधिक समय तक राज किया। सन 1967 से 2009 तक चला अली बोंगो का राज बहुत सख्त था।

उनकी मौत के बाद उनके पुत्र, जो उस समय रक्षा मंत्री थे, सत्ता पर काबिज हुए। तब से कल तक उनका राज रहा। इस तरह बोंगो परिवार 56 साल से गबोन पर शासन कर रहा है। चूंकि देश में राष्ट्रपति के कार्यकालो की कोई सीमा नहीं है इसलिए डर यह था कि इस मध्य अफ्रीकी देश में सालों-साल एक ही परिवार का राज चलता रहेगा।

तभी चुनावी प्रोग्राम की घोषणा होते ही 19 उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गए। किंतु 18 अगस्त को एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए छह उम्मीदवारों ने आल्टेरेंस 2023 नाम से गठबंधन बनाकर ओनडो ओसा को अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित करके कहा कि ﷺगबोन, बोंगो परिवार की बपौती नहीं हैﷺ। ऐसी खबरें थी कि देश की जनता भी बदलाव चाहती थी और बोंगो परिवार के बाहर का

राष्ट्रपति देखना चाहती थी।

तेल-आधारित इकॉनमी वाले गबोन को आर्थिक विकास की संभावनाओं वाला देश माना जाता रहा है। किंतु वह भयावह भ्रष्टाचार से ग्रस्त रहा है। सन् 2022 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने भ्रष्ट देशो की 180 देशों की लिस्ट में उसे 124वें स्थान पर रखा। गबोन की 25 लाख की आबादी में से एक-तिहाई मुफलिसी में जीने को मजबूर है और महाद्वीप के सबसे अधिक प्रति व्यक्ति जीडीपी वाले देशों में से एक होने के बावजूद वहां मूलभूत सामाजिक सेवाओं की स्थिति दयनीय है।

जहां तक राष्ट्रपति का प्रश्न है, वे पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण के लिए नियम बनाने और ओवेंडों व्यावसायिक बंदरगाह के विकास को अपने कार्यकाल की उपलब्धियों के तौर पर गिनाते हैं। लेकिन उनके आलोचकों का दावा है कि उन्होंने इसके अलावा कुछ खास नहीं किया है। साथ ही बोंगो परिवार कई बड़े घोटालों के आरोपों से घिरा रहा है, जिनमें सबसे ताज़ा मामले में जुलाई 2022 में राष्ट्रपति के पांच भाई-बहनों को फ्रांसीसी जांच में सरकारी खजाने में गबन और काले धन को सफेद बनाने का दोषी पाया गया। राष्ट्रपति की सेहत को लेकर भी चिंताएं थी। उनमें देश का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक क्षमता है या नहीं, इस पर भी सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं।

इस सबके बावजूद अली बोंगो ने तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव में 64.27 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की। यह घोषणा गबोन के इलेक्शन सेंटर ने बुधवार को की। विपक्ष द्वारा चुनाव में घपलों के आरोप लगाए जाने के कारण घोषणा होने में काफी देरी हुई। बोंगो के निकटतम प्रतिद्वंदी ओनडो ओसा, 30.77 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। लेकिन शनिवार को राष्ट्रपति, संसद और प्रांतीय संस्थाओं के लिए हुए मतदान के बाद हिंसा भड़कने के डर के कारण स्थिति बहुत तनावपूर्ण थी क्योंकि तेल और कोको के मामले में समृद्ध किंतु गरीबी झेल रहे इस देश में विपक्ष बदलाव के लिए प्रयासरत था। अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षकों की गैर-मौजूदगी, कुछ विदेशी मीडिया पर लगाई गई रोक, इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी और मतदान के बाद देश भर में नाईट कर्फ्यू लगाने के बाद चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ ही समय बाद सेना के अधिकारियों ने गबोन के राष्ट्रीय टेलीविज़न पर घोषणा की कि सेना देश का शासन संभाल रही है और शनिवार को हुए चुनाव के परिणामों को रद्द घोषित कर दिया गया। देश की सीमाओं को बंद कर दिया गया है। सभी संस्थाओं को भंग कर दिया गया है और सेना ने कहा है कि ﷺहमने शांति स्थापना की खातिर वर्तमान शासन को समाप्त करने का फैसला किया है।

इसका अर्थ है बोंगो परिवार के 56 साल के राज का खात्मा। यदि सेना सत्ता पर काबिज हो गई तो यह सन् 2020 के बाद से पश्चिम और मध्य अफ्रीका में आठवां तख्तापलट होगा।

असहमत मंचों की मुसीबत

बीते मार्च से पहले के सात महीनों में ही करीब 400 संस्थानों की विदेशी चंदा लेने संबंधी अनुमति को निलंबित कर दिया गया था। ऐसी कार्रवाइयां 2014 से शुरू हो गई थीं। तब से अब तक अनेक छोटे या बड़े नाम सरकारी कोप का निशाना बन चुके हैं।

वर्तमान सरकार के शासनकाल में विपक्षी नेताओं के खिलाफ सरकारी एजेंसियां की विवादित कार्रवाइयां और प्रेस की स्वतंत्रता पर हमले की चर्चा खूब रही है। कई विदेश संस्थानों ने भारतीय लोकतंत्र को खतरे में बताया है, भारतीय समाज को आंशिक रूप स्वतंत्र घोषित कर दिया है और प्रेस फ्रीडम इंडेक्स पर भारत लगातार नीचे गिरता गया है। लेकिन इसी दौर में जो एक और क्षेत्र सरकार के निशाने पर रहा है, वह थिंक टैंक और गैर सरकारी संस्थाओं का है। ऐसे जो संस्थान सरकार से असहमत रहे हैं, उसकी नीतियों का विरोध करते रहे हैं या जिन्होंने ऐसी रिपोर्टें तैयार की हैं, उन पर कई तरफ से सरकार का डंडा पड़ा है। उनके लिए विदेशी चंदा के रास्ते बंद या संकुचित कर दिए गए हैं और उन्हें इतने नियमों-विनियमों में फंसा दिया गया है कि सैकड़ों की संख्या में ऐसी संस्थाएं बंद हो चुकी हैं, अथवा उन्होंने अपनी गविधियों को बेहद सीमित कर दिया है। हाल के वर्षों में इस तरह के कदम कई संस्थानों के खिलाफ उठाए गए हैं।

इस वर्ष मार्च में एक अखबार में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि उसके पहले के सिर्फ सात महीनों में ही करीब 400 संस्थानों विदेशी चंदा लेने संबंधी अनुमति (केएफसीआरए) को रद्द या निलंबित कर दिया गया था। कई संस्थानों की ऐसी अनुमति के रिन्यूअल की अनुमति नहीं दी गई है या उनके लाइसेंस को समाप्त मान लिया गया है। इस क्रम में निशाने पर आया हालिया सबसे बड़ा नाम सेंटर फॉर पालिसी रिसर्च (सीपीआर) का है। सीपीआर का कहना है कि उसकी फंडिंग के रास्ते बंद कर दिए जाने के बाद 80 विशेष और कर्मचारी संस्थान को छोड़ कर जा चुके हैं। फरवरी में सीपीआर का विदेश से चंदा लेने का लाइसेंस निर्लंबित कर दिया गया था। सीपीआर से बड़े नाम जुड़े रहे हैं, लेकिन यह बात उसके काम नहीं आई है। वैसे जब एमनेस्टी इंटरनेशनल और ऑक्सफेम जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भारत में अपने दफ्तर बंद करने पड़े और उनके पक्ष में कोई आवाज नहीं उठी, तो अहसमति के मंच बनी भारतीय संस्थाएं किसी सहायता की उम्मीद शायद ही कर सकती हैं।

चाहतों के रंगों ने बनाई हिमालय की त्रासदी की तस्वीर

निशान्त

साल 1933 में लॉस्ट होराइजन नाम के उपन्यास में लेखक जेम्स हिल्टन ने हिमालय में कहीं बसी एक काल्पनिक वादी, शांगरी ला का ज़िक्र किया था. यह घाटी बेहद खूबसूरत नज़ारों को समेटे थी. ऐसा माना जाता है कि जेम्स हिल्टन हिमालय के सौंदर्य से मोहित थे, जिसके चलते उन्होंने शांगरी ला कि कल्पना की. मगर आज, अगर जेम्स हिल्टन हिमालय के इस स्वरूप को देखते तो शायद शांगरी ला जैसी कोई कल्पना न कर पाते. आज, हिमालय सिर्फ़ त्रासदी की तस्वीर बन चुका है.

बेतरतीब इमारतें और समझ से परे विकास इन पर्वत श्रृंखलाओं को मजबूर कर रहा है कि वो हमसे इसका बदला लें. लेकिन इमारतें अगर न बनें तो बढ़ती जनसंख्या रहेगी कहाँ और विकास के लिए अगर पहाड़ काट कर सड़क न बने तो आर्थिक गतिविधियां कैसे होंगी?

रजत कपूर पेशे से एक आर्किटेक्ट हैं लेकिन सही शब्दों में कंजर्वेशनिस्ट हैं. ये हिमालय क्षेत्र में वहाँ के स्थानीय और परंपरागत तरीकों से मकान बनाने की वकालत करते हैं. अपना तर्क देते हुए रजत कहते हैं, आर्किटेक्चर की पूरी पढ़ाई यूरोपियन पद्धतियों पर केन्द्रित है. इसलिए अधिकांश आर्किटेक्ट वही बनाते हैं जो उन्होनें पढ़ा है. लेकिन हिमालय की संरचना पर हम वैसे ढांचे नहीं खड़े कर सकते. यहाँ हम कंक्रीट की बड़ी इमारतें बना देंगे तो पहाड़ दरकने की छोटी सी भी घटना किसी बड़ी

त्रासदी का सबब बन सकती है.

तो इलाज क्या है, इलाज है स्थानीय उपलब्ध मटेरियल से, परंपरागत शैली में निर्माण. सरल शब्दों में कहें तो आज की व्यवहारिकताओं को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण में कंक्रीट और लकड़ी का प्रयोग. वो आगे बताते हैं कि, ﷺलेकिन ऐसा करना मौजूदा नीतियों के तहत इतना जटिल हो गया है कि आप चाह कर भी लकड़ी का प्रयोग नहीं कर सकते. तमाम बंदिशें पहले इसे अव्यावहारिक बनाती हैं, फिर इसकी कीमत भी बढ़ जाती है.

रजत का मानना है इस स्थिति से निपटने के लिए सबसे पहला कदम होगा जागरूकता. वो कहते हैं, लोगों को समझना होगा कि हिमालय की ढलान और उत्तर प्रदेश की धरती अलग हैं. पहाड़ों पर हम अपनी ईगो के मसाज के लिए वैसा कुछ नहीं बना सकते जो हम शायद उत्तर प्रदेश या किसी अन्य मैदानी इलाके में बना सकते हैं.

उनकी बात का समर्थन करते हुए पर्यावरणविद डॉ सीमा जावेद कहती हैं न सिर्फ़ हिमालय के बारे में जागरूकता बल्कि वक्त अब बदलती जलवायु का इन पर्वतों पर पड़ने वाले फ़र्क़ को समझने का भी है. वो कहती हैं, ﷺहिमालय का निर्माण भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के टकराने से हुआ. भारतीय प्लेट की उत्तर दिशा की और गति के कारण चट्टानों पर लगातार दबाव बना रहता है, जिससे वे कमजोर हो जाती हैं और भूस्खलन की आशंका बढ़ जाती है. बदलती जलवायु के संदर्भ में वो कहती हैं, दुनिया के सबसे कमजोर पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक हिमालय है. बीते कुछ दिनों में यहाँ भीषण बारिश और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं. इन सब घटनाओं पर जलवायु परिवर्तन की छाप है. ग्लोबल वार्मिंग के चलते हवा में नमी सोखने की क्षमता बढ़ रही है. यह बढ़ी नमी बारिश की तीव्रता और मात्रा पर सीधे तौर पर असर डाल रही है. यह बारिश, भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं बन कर जान और माल का नुकसान कर रही हैं. इन दरकते पहाड़ों पर जनसंख्या के बढ़ते दबाव और विकास के दौड़ते पहिये पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इंडिया ग्रीन्स पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश नौटियाल कहते हैं, बढ़ती जनसंख्या अपने आप में एक त्रासदी है. इससे निपटने में हम पहले ही देरी कर चुके हैं. लेकिन अब भी देरी नहीं हुई है. रही बात विकास की, तो हमें समझना होगा कि विकास की जो परिभाषा मैदानी राज्यों में कारगर है, वो पहाड़ी क्षेत्रों में प्रासंगिक नहीं. हमें हिमालय को बचाना है तो उसे समझना होगा, उसके अनुरूप रहना होगा.कुल मिलाकर, इस बात में दो राय नहीं कि हिमालय को अगर हमने कष्ट दिया तो वो हमें कष्ट देगा. अगर हिमालय की तस्वीर हमने अपनी चाहतों के रंगों से बनाई तो वो तस्वीर त्रासदी की ही बनेगी.

सार-समाचार

1098, 181, 112 टोल फ्री नम्बर अब एक में मर्ज हुआ, संचालन करेगा महिला एवं बाल विकास विभाग

01 सितम्बर से चाईल्ड लाईन फाउंडेशन के माध्यम से किया जा रहा

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर भारत सरकार द्वारा 1198 के संचालन पहले चाईल्ड लाईन फाउन्डेशन के माध्यम से किया जा रहा था। जिसे सभी जिले में स्वयं सेवी संगठनों द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिले में इसका संचालन छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान एवं व पथ प्रदर्शक के द्वारा संचालित किया जा रहा था। 01 सितंम्बर से छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में उक्त संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में टोल फ्रि नम्बर 1098, चाईल्ड हेल्प लाईन, 181 महिला हेल्प लाइन 112 आपात कालीन सेवा को एक में मर्ज कर दिया गया है और इसका संचालन महिला बाल विकास विभाग कन्ट्रोल रूम से किया जा रहा है। जिले में इसका संचालन कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल कि अध्यक्षता मे बने समिति, जिला बाल संरक्षण समिति द्वारा किया जायेगा, उक्त समिति के सचिव जिला कार्यक्रम अधिकारी हैं इस हेतु जिला स्तरीय कॉल सेन्टर का संचालन 01 सितम्बर 2023 से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुराना कलेक्ट्रेट के प्रथम तल मे बनाया गया है, उक्त कॉल सेन्टर 24 घंटे 7 दिन संचालित रहेगी। कॉल सेंटर मे 24 घंटे ड्यूटी करने वाले कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। वर्तमान में कॉल सेंटर का संचालन करने वाले चाईल्ड लाईन के कर्मचारियों को ही उक्त कॉल सेन्टर का जिम्मा दिया गया है। 01 सितम्बर 2023 को जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेस सिंह सिसोदिया द्वारा उक्त कार्यालय में सभी कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्य की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उक्त कॉल सेन्टर संचालन हेतु आवश्यक बैठक में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, चाईल्ड लाईन क्राटींनेटर कार्तिक मजूमदार, जनार्दन यादव, शीतल सिंह, नंदिनी खटिक, रमेश साहू, प्रकाश राजवाडे, दिनेश यादव उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में अब तक 194539 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

भिलाई । मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट निगम क्षेत्र के वार्ड एवं मोहल्ले में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं एक दीदी क्लीनिक संचालित हो रही है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लगातार लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है। अब तक मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत 2418 कैंप लगाए जा चुके हैं और इस कैंप में 194539 लोगों ने अपना स्वास्थ्य लाभ लिया है। 51410 मरीजों का लैब टेस्ट किया जा चुका है तथा 172607 मरीजों को फ्री में दवाई का वितरण किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट निगम क्षेत्र के वार्ड एवं मोहल्ले में उनके बीच पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों का बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। एमएमयू में अनुभवी चिकित्सक एवं मेडिकल स्टाफ विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरनो के माध्यम से लोगों का इलाज कर रहे हैं और टेस्ट के उपरांत शीघ्र रिपोर्ट दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा मरीजों का डाटा भी रखा जा रहा है। दाई दीदी क्लीनिक की बात करें तो 785 कैंप आयोजित किए जा चुके हैं और 61623 मरीजों ने इसमें स्वास्थ्य लाभ लिये है। मोबाइल मेडिकल यूनिट का स्वास्थ्य शिविर प्रात: 8:00 बजे से 3:00 बजे तक लगाया जा रहा है। इलाज के लिए अपॉइंटमेंट लेने तथा कतार लगाने की आवश्यकता नहीं है सीधे स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराई जा रही है। बेहतर चिकित्सा सुविधा के चलते मरीज निरंतर मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपना इलाज करा रहे हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अपील की है कि मोहल्ले में एवं वार्ड क्षेत्रों में लगने वाले स्वास्थ्य शिविर में अवश्य रूप से सेवा का लाभ लेवे और अपना बेहतर इलाज करवाए।

जन्माष्टमी के पूर्व निकली भगवान श्रीकृष्ण के भव्य शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालू

दुर्ग। जन्माष्टमी उत्सव के पूर्व सनातनी मंच द्वारा शहर में भगवान श्रीकृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकालकर श्रद्धालुओं में जन्माष्टमी उत्सव का उत्साह दुगुना कर दिया है। शोभायात्रा में कृष्ण व राधा के वेश में सजे बच्चें व अन्य झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। यह शोभायात्रा पचरीपारा कुआ चौक से प्रारंभ होकर इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैण्ड ,जवाहर चौक, श्रीराम मंदिर, शिवपारा चौक, मां चंडी चौक, पंचमुखी हनुमान मंदिर, कंकालीन चौक, श्री गोपाल कृष्ण मंदिर पहुंची। जहां महाआरती के पश्चात शोभायात्रा संपन्न हुई। शोभायात्रा का लोगों ने पुरे रास्तेभर स्वागत कर श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा का आयोजन ऋषि यादव, महेश ठेठावर, गुड्डू यादव, ललित यादव, धर्मेंद्र यादव, सतीश यादव, गोविंदा लखन यादव के मार्गदर्शन में किया गया था। शोभायात्रा में सभी दल के जनप्रतिनिधि शामिल हुए और श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया।

कसडोल क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की बढ़ते शिकायतों पर कलेक्टर ने लगाई आबकारी अधिकारी को कड़ी फटकार, सख्त कार्रवाई करनें के दिए निर्देश

संवाददाता चंद्रप्रकाश टोंडे : 14 से 17 सितंबर को कसडोल नगर में होगा राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता का आयोजन,700 से अधिक खिलाड़ी होंगे एकजुट**स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए सभी तैयारियां करे सुनिश्चित-कलेक्टर*...कलेक्टर ने की विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा,समय सीमा के भीतर कार्य करने के दिए निर्देश*/कलेक्टर चंदन कुमार ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय-सीमा के तहत विभागीय कार्यों की कामकाज की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कसडोल क्षेत्र के ग्राम गबौद एवं उसके आसपास के ग्रामीणों द्वारा जनचौपाल में अवैध शराब विक्रय पर मिले आवेदनों पर गंभीर चिंता व्यक्त करतें हुए आबकारी अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि जिले में कही भी अवैध शराब की विक्रय बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने विभाग के कार्यप्रणाली में सुधार लाने की हिदायत देते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनें के निर्देश दिए है। साथ ही ऐसे प्रकरणों में जब्त गाड़ियों को शीघ्र ही

राजसात करने की कार्रवाई करनें कहा है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में 14 से 17 सितंबर तक कसडोल नगर में राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें रग्बी,गतका एवं फेसिंग के प्रदेश भर के लगभग 700 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे। कलेक्टर ने आयोजन को लेकर सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए की आवास से लेकर परिवहन सहित अन्य व्यवस्था समय सीमा के भीतर में करने के निर्देश दिए है। साथ ही कलेक्टर चंदन कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुवे स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री कुमार ने चुनाव संबंधी कार्यों तथा स्वीप गतिविधियों की जानकारी लेते हुवे जिले में दिव्यांग, ट्रांसजेंडर, बुजुर्ग, महिला मतदाताओं सहित 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष व 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित और जागरूक करने कहा। कलेक्टर ने जिले में शांतिपूर्वक चुनाव कराए जाने के लिए स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता संबंधी समस्त कार्य, मतदान केंद्रों की संपूर्ण व्यवस्था, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन के वैधानिक दायित्व का निर्वहन, नामनिर्देशन, मतदान सामग्री प्रभारी, मतदान सामग्री वितरण, मतदान सामग्री वापसी, मतदाता सूची की चिन्हित प्रति तैयार करना, पोस्टल बैलेट पेपर एवं सर्विस वोटर्स हेतु ईटीपीबी तथा निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र का संपूर्ण व्यवस्था, रूट चार्ट, जोन सेक्टर का निर्धारण एवं मानचित्र निर्माण, अभ्यर्थियों को सूची उपलब्ध कराना, मतदान दल एवं मतगणना दल का गठन सहित चुनाव संबंधी अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।बैठक में उन्होंने विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी जानकारी ली।उन्होंने आज बैठक में रीपा,मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य स्लम योजना, बेरोजगारी भत्ता,पौनी पसारी, जल जीवन मिशन, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर,मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक, सुराजी गांव योजना, गौधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं उनका विस्तार, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, महतारी दुलार योजना,वन अधिकार पत्र वितरण जैसे अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की है। बैठक में अपर कलेक्टर बी सी एक्का, जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन,डीएफओ मयंक अग्रवाल, सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे सभी एसडीएम,जनपद सीईओ, सीएमओ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जन-चौपाल का लाभ लेने दूर दूर से पहुँच रहे है ग्रामीण, दिव्यांग को मिला तत्काल राहत

संवाददाता चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा / कलेक्टर श्री चंदन कुमार ने आज आयोजित साप्ताहिक जनचौपाल में लगभग 55 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इनमें से गंभीर किस्म के 40 प्रकरणों की जांच कर समय- सीमा की बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही जनचौपाल में इस सप्ताह लगभग कुल 35 आवेदनों का पूर्णत: निराकरण कर दिया गया है। जन-चौपाल में आज तहसील लवन अंतर्गत ग्राम लाहोद निवासी 100 प्रतिशत नेत्रहीन दिव्यांग चन्द्रकुमार साहू ने कलेकटर के समक्ष मदद हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर चंदन कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग को स्मार्ट केन प्रदान करने के निर्देश दिए। एक घंटे में ही उनको स्मार्ट केन प्रदान किया गया। स्मार्ट केन मिलने पर उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी तरह ग्राम खैंदा (लवन) के सरपंच एवं ग्रामीणों ने 11 नम्बर केनाल का मुख्य गेट से पानी छोड़ने की मांग ग्रामीणों ने की है। जिस पर कलेक्टर श्री कुमार शीघ्र ही पानी छोड़ने का आश्वासन

ग्रामीणों को दी है। इसी तरह ग्राम पंचायत कोदवा एवं सोनपुर के सरपंच द्वारा पंचायत भवन निर्माण की जरूरत बताई जिस पर कलेक्टर श्री कुमार ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिए है। इसी तरह ग्राम गिंदोला में सरपंच ने नये शाला भवन की स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस पर कलेक्टर ने ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिए है। इसी तरह ग्राम चिचिरदा के सरपंच ने हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल में शिक्षक की कमी बताई जिस पर कलेक्टर ने जल्द ही शिक्षकों की कमी दूर करने की आश्वासन दिए है। जनचौपाल का लाभ लेने लोग दूर दूर से जिला कार्यालय आज के दिन पहुँचते है। गौरतलब है कलेक्टर चंदन कुमार प्रत्येक सोमवार जनचौपाल कर ग्रामीणों की फरियाद सुनते है साथ ही अगले दिन मंगलवार को समय सीमा बैठक में एक एक आवेदनों की विस्तृत समीक्षा विभिन्न अधिकारियों के साथ करतें है। जिससे आवदेनो के निराकरण में काफी तेजी आयी है।

खनिज के अवैध परिवहन, उत्खनन व भंडारण पर समय सीमा बैठक में हुई चर्चा

उत्खनन स्थल का चिन्हांकन कर, की जाएगी सतत मॉनिटरिंग

फ्लेक्स के माध्यम से अवैध रेत खनन रोकने संबंधी सरकारी दिशा-निर्देश का, किया जायेगा प्रदर्शन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर आज समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने उच्च न्यायालय द्वारा खनिज के अवैध परिवहन, उत्खनन व भंडारण की रोकथाम के लिए, दिये गए दिशा निर्देश पर प्रभावी कदम उठाने के लिए उपस्थित संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।उन्होंने बताया कि खनिज अधिनियम के अनुसार 15 जून के पश्चात नदी से रेत उत्खनन प्रतिबंधित है। इसलिए वर्तमान में व्यावसायिक उद्देश्य के लिए रेत

खनन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इसके बाद भी यदि कोई अवैध तरीके से उत्खनन के कार्य में संलिप्त है, तो उन पर कड़ी कार्रवाही की जाएगी। अवैध उत्खनन के मामलों को नग्णय करने की दिशा में कार्य करने के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उत्खनन स्थलों का चिन्हांकन करने के लिए कहा, साथ ही उन्होंने सतत मॉनिटरिंग के आदेश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने रेत उत्खनन के लिए उपयोग में आने वाले आवागमन मार्ग पर संबंधित अधिकारियों को गश्त करने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होंने उत्खनन क्षेत्र के क्रॉसिंग पॉइंट्स पर अवैध रेत खनन रोकने संबंधी सरकारी दिशा-निर्देश का प्रदर्शन फ्लेक्स के माध्यम से करने के लिए कहा ताकि लोगों में जन चेतना का प्रचार प्रसार हो और वो दिशा निर्देश का अनुसरण करें ।

इसके साथ ही कलेक्टर ने मुख्यमंत्री घोषणा, आवारा एवं घुमंतू पशुओं के प्रबंधन, गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट के विक्रय इत्यादि बिन्दुओं पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रियंका वर्मा व अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर हाई स्कूल पसला में केक काटकर मनाया गया शिक्षक दिवस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर। सर्वप्रथम शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर हाई स्कूल पसला के प्रभारी प्राचार्य के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद किया गया और जन्मदिन पर केक काटकर उनको सादर नमन किया गया और सभी स्कूली बच्चों को उनके आदर्शों पर चलने की बात कही गई शिक्षक दिवस के अवसर पर हाई स्कूल पसला में स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा मनमोहन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया गुरुजनों का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है बिना गुरु के मानव जीवन सार्थक नहीं है सभी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक शिक्षिका का होना अत्यंत आवश्यक है सभी को अपने गुरु का आदर मान सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल कर ज्ञान का अर्जन करें तब जाकर एक शभ्य समाज का निर्माण होगा बिना गुरु के कभी ज्ञान नहीं मिलता माता-पिता भी हमारे गुरु हैं ज्ञान जहां से मिले हमें ग्रहण करना चाहिए तभी जाकर देश प्रदेश में अपना नाम रोशन कर पाएंगे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बच्चों के भविष्य निर्माण एवं अच्छा नागरिक बनने में शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण भूमिका होती है इसके अलावा पूरे जिले में शिक्षक दिवस मनाया गया कार्यक्रम में हाई स्कूल पसला के प्रभारी प्राचार्य टिकेश्वर राम राजवाडे शिक्षक परदेसी राम भारद्वाज शिक्षिका अल्पना मिंज अंजना प्रजापति सहित स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षकों का सम्मान कर मनाया गया मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल तथा जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) श्री शशिकान्त सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत शिक्षकों को पुरस्कार वितरण श्री के.के. अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका के मुख्य आतिथ्य, कलेक्टर की अध्यक्षता एवं श्री प्रवेश गोयल के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राधाकृष्णन एवं छत्तीसगढ़ महतारी की छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय सूरजपुर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। अपनी उद्धबोधन में गुरु की महिमा के बताते हुए उसे ईश्वर से भी बड़ा बताया। कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में शिक्षक को समाज की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए उसे समाज सुधारने एवं बच्चों के भविष्य पथ प्रदषक कहा। शिक्षक दिवस पर जिले प्रत्येक विकास खण्ड से प्राथमिक

विद्यालय में पढ़ाने वाले 03 प्रधान पाठक एवं शिक्षक के मान से कुल 18 एवं 03 माध्यमिक शाला में पढाने वाले प्रधान पाठक एवं शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के तहत शिक्षा दूत एवं ज्ञान दीप पुरस्कार से नवाजा गया। शिक्षा दूत के तहत प्रत्येक शिक्षक को 5000 रूपए, शॉल, श्रीफ्ल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वही ज्ञानदीप पुरस्कार में प्रत्येक शिक्षक को 7000 रूपए, शॉल, श्रीफ्ल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन अशोक उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में श्री रविन्द्र सिंहदेव सहायक संचालक, डॉ. विनोद दुबे, आलोक सिंह, शोभनाथ चौबे, सुरविन्द गुर्जर, मनोज कुमार मण्डल, अनुरागवेन्द्र सिंह, सीमांचल त्रिपाठी, सुमन वर्मा, मरियम टोप्पो, पूर्णिमा राजवाड़े मनोज दुबे, सहदेव राम रवि, अनुज नारायण दुबे, सुशील ठाकुर, मुन्ना सोनी, अमल दास, अंकित कोसरिया व जितेन्द्र साहू सक्रिय रहे।

अवैध शराब बिक्री करने वाले युवक को सिमगा पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता चंद्रप्रकाश टोंडे : थाना सिमगा पुलिस द्वारा अवैध रूप से बिक्री हेतु शराब परिवहन करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । आरोपी से 47 पाव देशी मदिरा मसाला जुमला 8.460 बल्क लीटर कीमती 5170 रूपये को जप्त किया गया.. श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के आदेशानुसार श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा एंव श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भाटापारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना सिमगा के मार्ग दर्शन में समस्त अधिकारी/कर्मचारी को थाना क्षेत्रांतर्गत अवैध रूप से शराब बिक्री एवं परिवहन

करने वाले के विरूद्ध सक्त कार्यवाही करने का दिशा निर्देश दिया गया था जिसके तारतम्य में दिनांक 04/09/2023 को थाना सिमगा के उप निरीक्षक किशुन कुमार कुम्भकार हमराह आर.772 कृष्णा जांगड़े, आर.468 विजय कुर्रे के द्वारा जुर्म जरायम पतासाजी एवं पेट्रोलिंग दौरान जरिये मुखबिर सूचना पर आरोपी हेमु वर्मा पिता जवाहर वर्मा उम्र 32 साल साकिन एकता नगर सिमगा थाना सिमगा जिला बलौदाबाजार को तिल्दा रोड ओव्हर ब्रिज के नीचे सिमगा में अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब परिवहन करते पकड़े जिसके कब्जे पास से एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के अंदर 47 पाव देशी मदिरा मशाला शराब प्रत्येक में 180रू भरी हुई शीलबंद जुमला 8.460 बल्क लीटर कीमती 5170 रूपये रखे मिला जिसे गवाहो के समक्ष गिनती /बरामदगी कर मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया । आरोपी हेमु वर्मा के विरूद्ध अपराध धारा सदर 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से मौके पर गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजन को दिया गया । आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 286/2023 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर प्रकरण अजमानतीय होन से आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया ।

सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना प्रभारी सिमगा के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक किशुन कुमार कुम्भकार, आरक्षक 772 कृष्णा जांगड़े आरक्षक 468 विजय कुर्रे का विशेष योगदान रहा ।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बुलाई विपक्षी दलों की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 5 सितंबर को विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A के सांसदों की बैठक बुलाई है। बैठक में विपक्षी दल 18 से 22 सितंबर तक होने वाले संसद के विशेष सत्र के लिए अपनी रणनीति तय करेंगे। बैठक में विपक्ष के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों को बुलाया गया है।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के सांसदों की बैठक बुलाई है। बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे पर चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी रविवार को खड़गे से मिलने उनके घर पहुंचे।

इसके पहले रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने खड़गे से मुलाकात की। दोनों के बीच पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों और

राजनीतिक स्थिति पर बात हुई।

केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को ङ्क (ट्विटर) पर पोस्ट में जानकारी दी थी कि सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है।उन्होंने कहा कि संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा के 261वां सत्र) में पांच बैठकें होंगी। संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा गया है।

ममता और नीतीश ने समय से पहले चुनाव की बात कही थी

कुछ दिन पहले ही विपक्ष की तरफ से ऐसे दावे किए गए हैं कि मोदी सरकार इस बार आम चुनाव समय से पहले करा सकती है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा है कि सरकार लोकसभा चुनाव समय से पहले भी करवा सकती है।

विपक्षी गठबंधन एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहा है और 2024 के लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों पर एकजुट होकर भाजपा से मुकाबला करने की योजना बना रहा है। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान भी विपक्ष एकजुट रहा।

भारत जोड़ो यात्रा की पहली एनिवर्सरी मनाएगी कांग्रेस

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का एक साल पूरा हो रहा है। इस मौके पर कांग्रेस ने देश के हर जिले में भारत जोड़ो यात्रा निकालने का ऐलान किया है। पार्टी ने इसके लिए कई जगहों पर आयोजन करने की भी योजना बनाई है। राहुल गांधी ने पिछले साल 7 सितंबर को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। 145 दिन तक चली 4000 किमी लंबी इस यात्रा का समापन 30 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ था। सूत्रों ने कहा कि यात्रा कितनी लंबी होगी, इसकी रूपरेखा और अन्य जानकारी जल्द ही जिला कांग्रेस कमेटियों को भेजी जाएगी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 145 में 4000 किलोमीटर से अधिक यात्रा की थी। श्रीनगर में यात्रा के समापन के मौके पर शेर ए कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में राहुल ने कहा था- मैंने यह यात्रा अपने लिए या कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि देश की जनता के लिए की है। हमारा उद्देश्य उस विचारधारा के खिलाफ खड़ा होना है जो इस देश की नींव को नष्ट करना चाहती है।

राहुल गांधी ने 12 जनसभाओं को संबोधित किया था

इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 12 सार्वजनिक सभाओं को संबोधित किया था, वहीं 100 से ज्यादा बैठकें और 13 प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी हिस्सा लिया। उन्होंने चलते हुए 275 से ज्यादा चर्चाओं में हिस्सा लिया, जबकि कहीं रुक कर 100 के करीब चर्चाएं कीं।

12 राज्यों से गुजरे राहुल गांधी

राहुल गांधी अपनी इस यात्रा के दौरान देश के 12 राज्यों से गुजरे थे। जिसमें कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और जम्मू कश्मीर शामिल हैं।

भारतीय मूल के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के भाई पर किया मानहानि का मुकदमा

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के दो मंत्रियों ने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के छोटे भाई ली सीन यांग के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि यह मामला सरकारी बंगलों के किराए के विवाद से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मामले की सुनवाई 5 सितंबर को सुबह 9 बजे होगी। बता दें कि दोनों मंत्रियों को जांच में क्लीन चिट मिल चुकी है। सिंगापुर के कानून और गृह मामलों के मंत्री के शनमुगम और विदेश मामलों के मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने जुलाई में ली सीन यांग को अपने वकीलों के माध्यम से एक पत्र भेजा था। इस पत्र में मांग की गई थी कि अगर ली सीन यांग उनके द्वारा लगाए गए आरोपों पर माफी नहीं मांगते हैं तो वह दोनों उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर देंगे। एक सोशल मीडिया पोस्ट में के शनमुगम ने बताया कि ली सीन यांग ने उन्हें और एक अन्य मंत्री बालाकृष्णन पर निजी फायदे के लिए सिंगापुर लैंड अथॉरिटी का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। आरोप था कि दोनों मंत्रियों के सरकारी बंगलों में बिना अनुमति के पेड़ काटे गए, साथ ही दोनों बंगलों के नवीकरण का भुगतान सिंगापुर लैंड अथॉरिटी द्वारा किया गया। जांच में मिल चुकी है क्लीन चिट जिन बंगलों को लेकर विवाद है वह ब्रिटिशकाल के रिडआउट रोड स्थित बंगला नंबर 26 और 31 हैं। ये बंगले 100 साल से भी पुराने हैं।

शिमला के दरोटी गांव में अग्निकांड, नौ मकान जले

शिमला। *जिले की टिक्कर तहसील के दरोटी गांव में शनिवार रात भीषण अग्निकांड में नौ मकान जलकर राख हो गए। इससे 21 परिवार बेघर हो गए। शार्ट सर्किट से लगी आग से करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। जिस समय आग लगी, उस समय लोग सो रहे थे। शोर मचते ही सो रहे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।*

जानकारी के अनुसार आग शनिवार रात करीब 11.30 बजे सुरेंद्र रांटा के घर की चौथी मंजिल में लगी। उस दौरान परिवार के सदस्य घर की निचली मंजिल में सो रहे थे। छत के ऊपर से निकल रही आग को गांव के एक युवक ने देखा, तो उसने शोर मचाकर लोगों को जगाया।

उसके बाद इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने आग फैलने से पहले ही जल रहे मकानों से लोगों को निकालना शुरू किया। आसपास के घरों से रसोई गैस के सिलिंडरों व गोशालाओं से पशुओं को बाहर निकाल दिया। इस बीच आग पर काबू पाने के प्रयास किए, लेकिन प्रभावित परिवारों के लोगों के तन के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचाया जा सका। लोगों ने स्प्रे कर आधे गांव को बचाने में सफलता हासिल की। आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच गए और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लोगों के प्रयास से आधे गांव को जलने से बचा लिया गया। प्रशासन आग से हुए नुकसान का आकलन करने में जुट गया है।

एसडीएम रोहडू ने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों को फौरी राहत उपलब्ध करवाई है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने दरोटी पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिलकर सरकार से उचित सहायता देने का आश्वासन दिया है।

एक किमी दूरी से दो घंटे बाद पहुंचा दमकल वाहन

ग्रामीणों ने बताया कि टिक्कर उप दमकल केंद्र घटनास्थल से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन वहां से दमकल वाहन को पहुंचने में दो घंटे का समय लग गया। उससे पहले रोहडू से भी दमकल वाहन मौके पर पहुंच चुका था।

संयुक्त सैन्याभ्यास में भाग लेने अलेक्जेंड्रिया पहुंची भारतीय सेना

काहिरा। मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े संयुक्त सैन्य अभ्यास ब्राइट स्टार-23 में भाग लेने के लिए भारतीय सेना और वायु सेना (आईएएफ) की टुकड़ी अलेक्जेंड्रिया पहुंची। इसका उद्घाटन समारोह 31 अगस्त को आयोजित हुआ था। यह अभ्यास 13 सितंबर को मिस्र के मोहम्मद नागुइब सैन्य अड्डे पर समाप्त होगा। मिस्र में भारतीय दूतावास ने एक्स (ट्विटर) पर कहा कि अभ्यास में 34 देश भाग ले रहे हैं। अभ्यास में भाग लेने के लिए

29 अगस्त को 550 भारतीय सैन्य कर्मियों की टुकड़ी पहुंच चुकी है। इसका प्रतिनिधित्व 23 जाट बटालियन की एक टुकड़ी कर रही है। उद्घाटन समारोह 31 अगस्त को आयोजित किया गया था। यह किसी विदेशी अभ्यास के लिए अब तक की सबसे बड़ी भारतीय सैन्य तैनातियों में से एक है। संयुक्त सैन्याभ्यास ब्राइट स्टार-23 का नेतृत्व यूएस सेंटकॉम और मिस्र की सेना कर रही हैं। अभ्यास का पहला संस्करण 1980 में मिस्र में आयोजित किया गया था। 1995 के बाद से इसमें अन्य देशों ने भी भागीदारी करनी शुरू की। 2021 में इस सैन्याभ्यास में 21 देशों की सेनाओं ने भाग लिया था।

अभ्यास के तहत नए खतरों से निपटने और वैश्विक शांति कायम रखने में देशों के बीच क्षेत्रीय साझेदारी बढ़ाने पर केंद्रित प्रशिक्षण गतिविधियां शामिल होंगी।

गिलगित-बाल्टिस्तान में सांप्रदायिक तनाव, मोबाइल इंटरनेट बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी

सोलांगी ने कहा कि गिलगित-बालटिस्तान में स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। पाकिस्तानी सेना की तैनाती को लेकर मीडिया में प्रसारित हो रही खबरें निराधार हैं। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में सभी सड़कें, व्यवसायिक केंद्र, व्यापारिक गतिविधियां और शिक्षण संस्थान पहले की तरह खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में सुन्नी और शिया मुस्लिमों के बीच दुश्मनी का पुराना इतिहास रहा है।

मंत्री ने बताया कि चेहल्लुम या अरबईन की पूर्व संध्या पर कानून और

व्यवस्था बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी सेना और असैन्य सशस्त्र बलों की सेवाएं मांगी गई हैं। चेहल्लुम, इराक के करबला में हुई लड़ाई में पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत के 40वें दिन होता है।

दरअसल, गिलगित में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक प्रख्यात सुन्नी मौलवी ने कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी थी। इसके कुछ घंटों बाद एक शिया समूह के आह्वान पर गिलगित शहर और आसपास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मौलवी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कनाडा और अमेरिका ने अपने नागरिकों को चेताया

गिलगित के पुलिस थाने में सुन्नी मौलवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि अन्य प्राथमिकी स्कर्दू में प्रख्यात शिया मौलवी के खिलाफ दर्ज की गई है। इस बीच ब्रिटेन ने शनिवार को कनाडा और अमेरिका की तरह अपने नागरिकों को उत्तरी क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है।

व्याभिचार के आरोप में महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या, आरोपी पति और उसका भाई फरार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कथित तौर पर व्यभिचार करने के आरोप में एक महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह घटना लाहौर से करीब 500 किलोमीटर दूर पंजाब के राजनपुर जिले में शुक्रवार को हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, महिला (20 वर्षीय) के पति ने उस पर व्यभिचार का आरोप लगाया। शुक्रवार को व्यक्ति ने अपने दो भाइयों के साथ मिलकर महिला को पेड़ से बांध दिया और पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पत्थर मारने से पहले उन्होंने उसे बेरहमी से प्रताड़ित भी किया। अपराध को अंजाम देने के

बाद दोनों भाई फरार हो गए। बताया जा रहा है कि वे पंजाब और बलूचिस्तान के बीच सीमावर्ती क्षेत्र में छिपे हुए हैं।

महिला राजनपुर की अलकानी जनजाति की थी। पाकिस्तान में हर साल सम्मान के नाम पर कई महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मुताबिक, पाकिस्तान में हर साल लगभग एक हजार महिलाओं को सम्मान के नाम पर (ऑनर किलिंग) मार दिया जाता है। माना जाता है कि पीड़ितों ने अपनी इच्छा के खिलाफ शादी करके या संबंध बनाकर अपने परिवारों को शर्मिंदा और अपमानित किया है। अक्सर ऐसी हत्याओं के पीछे परिवार के सदस्यों का हाथ होता है।

कुछ दिन पहले पंजाब के मियांवाली जिले में सम्मान के नाम पर एक डॉक्टर युवती (25 वर्षीय) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, डॉक्टर अपने सहकर्मी से शादी करना चाहती थी, लेकिन उसके पिता ने इससे इनकार कर दिया था।

उन्होंने कहा, एक सप्ताह पहले डॉक्टर के पिता मियांवाली शहर में उसके क्लिनिक पर आए और इस मामले को लेकर उससे बहस की। बहस के दौरान उसने एक बंदूक निकाली और उस पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

नोबेल फाउंडेशन का यूटर्न, कड़े विरोध के बाद रूस-बेलारूस और ईरान से वापस लिया निमंत्रण

स्टॉकहोम, एजेंसी।

नोबेल फाउंडेशन ने कड़े विरोध के बाद रूस, बेलारूस और ईरान को भेजा गया निमंत्रण वापस ले लिया है। दरअसल, नोबेल फाउंडेशन ने अन्य देशों की तरह इन तीनों देशों को भी इस साल के नोबेल पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। फाउंडेशन ने कहा कि स्वीडन में हो रहे कड़े विरोध के कारण निमंत्रण को वापस लेने का फैसला किया गया है।

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नोबेल फाउंडेशन ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में फाउंडेशन ने कहा कि रूस, बेलारूस और ईरान के राजदूतों को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। फाउंडेशन का कहना है कि जो देश नोबेल पुरस्कार के मूल्यों को साझा

नहीं करते, हम उन्हें समारोह में शामिल नहीं कर सकते। सबसे पहले यूक्रेन ने तीनों देशों को आमंत्रित करने का विरोध किया था। वहीं, यूरोपीय संसद के एक स्वीडिश सदस्य ने भी इस फैसले का विरोध किया और इसे अनुचित बताया।

नोबेल फाउंडेशन ने बयान में कहा कि यह निर्णय इस आधार पर लिया गया कि नोबेल पुरस्कार जिन मूल्यों और संदेशों को बढ़ावा देता है, उसे हासिल करना महत्वपूर्ण और जरूरी है। जैसा कि पिछले साल रूस और बेलारूस के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के साथ-साथ यूक्रेन के लोगों को शांति पुरस्कार दिया गया, जो रूसी युद्ध अपराधों के खिलाफ काम करते हैं। स्वीडिश प्रधानमंत्री और यूक्रेन के अधिकारियों ने फाउंडेशन के इस कदम का स्वागत किया है।

राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप का नामांकन हुआ तो समर्थन करूंगा : विवेक रामास्वामी

वॉशिंगटन, एजेंसी।

भारतीय मूल के अमेरिकी करोड़पति कारोबारी विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को उन्होंने कहा कि उन्हें 2024 के आम चुनाव में पार्टी का प्रत्याशी बनने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने कहा कहा कि अगर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नामांकन हासिल करते हैं तो वह उन्हें वोट देंगे। एक टॉक शो में रामास्वामी (38 वर्षीय) ने अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने की स्थिति में ट्रंप को माफ करने का इरादा भी जताया। उन्होंने कहा, अगर डोनाल्ड ट्रंप उम्मीदवार बनते हैं तो मैं उनका समर्थन करूंगा और अगर मैं राष्ट्रपति बनता हूं तो मैं उन्हें माफ कर दूंगा, क्योंकि इससे देश को फिर से एकजुट करने में मदद मिलेगी।

पिछले महीने राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन

पार्टी की शुरुआती डिबेट हुई थी। इस बहस ने पूरे अमेरिका का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस डिबेट के बाद रामास्वामी की लोकप्रियता बढ़ी है। वह दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और भारतीय मूल की अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। रामास्वामी राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार हैं, जो कई आरोपों का सामना कर रहे ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीतियों का खुलकर समर्थन करते हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर रुख भी शामिल है। अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी ने कहा, मेरा लब्बोलुआब यह है कि मैं उस व्यक्ति को वोट दूंगा जो मुझे लगता है कि इस देश को आगे ले जाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। मुझे नहीं लगता बाइडन इस स्थिति में हैं। मुझे नहीं लगता कि जो बाइडन के बाद कमला हैरिस या कोई और कठपुतली भी इस स्थिति में है।

रामास्वामी ने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर रिपब्लिकन पार्टी के अपने कई समकक्षों के साथ उनकी असहमति हो सकती है, लेकिन उनका दृढ़ विश्वास है कि अमेरिका को प्रगति की ओर ले जाने में उनमें से कोई भी बाइडन या हैरिस से अधिक प्रभावी होगा।

गृह मंत्री सुएला ने पुलिस की सक्रियता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने शनिवार को देश के पुलिस बलों में सक्रियता और निष्पक्षता की समीक्षा का आदेश दिए और अधिकारियों से राजनीतिक मामलों में शामिल होने के बजाय अपराध से निपटने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। 43 वर्षीय भारतीय मूल की कैबिनेट मंत्री ने महामहिम के इंस्पेक्टरेट ऑफ कांस्टेबुलरी एंड फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज (एचएमआईसीएफआरएस) को इस बात की समीक्षा करने के लिए नियुक्त किया है कि राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने से किस हद तक पुलिस की नीति, प्राथमिकताओं और अभ्यास को प्रभावित करके इंग्लैंड और वेल्स में ऑपरेशनल पुलिसिंग की प्रभावशीलता, दक्षता और वैधता पर असर पड़ सकता है। ब्रिटिश गृह मंत्री के कार्यालय ने कहा कि देश का पुलिसिंग मॉडल उम्मीद करता है कि पुलिस को हर समय राजनीतिक तटस्थता की स्थिति अपनानी चाहिए। ब्रेवरमैन ने कहा, ब्रिटिश लोग

उम्मीद करते हैं कि उनकी पुलिस अपराध को कम करने और समुदायों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी। राजनीतिक सक्रियता लोगों को सुरक्षित नहीं रखती है, अपराधों को हल नहीं करती है या पीड़ितों का समर्थन नहीं करती है, लेकिन जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचा सकती है।

उन्होंने कहा, मैंने जो समीक्षा शुरू की है, उसमें पता लगाया जाएगा कि क्या राजनीतिक रूप से विवादास्पद मामलों में शामिल होने से पुलिसिंग पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। मैं ब्रिटिश जनता के लाभ के लिए पुलिसिंग कार्यों को सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगी।

अंतरिक्ष में आर्थिक फायदे लेने की मजबूत स्थिति में भारत : पूर्व कमांडर

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

अंतरिक्ष और इससे जुड़ी तकनीकों पर काम करते हुए भारत ने खुद को एक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। इन्हें वह आर्थिक रास्तों पर ले जाकर जमकर कारोबारी फायदे कमा सकता है। इसका फायदा भारत में कारोबारों व लोगों को होगा। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के पूर्व कमांडर व अपोलो मर्डर्स के लेखक क्रिस हेडफील्ड ने यह दावा किया।

आदित्य एल1 मिशन पर हेडफील्ड ने कहा कि एक जीवनकाल से भी कम समय में हमने जीपीएस उपग्रह, मौसम उपग्रह, दूरसंचार, चंद्र अभियान, सूर्य अभियान देख लिए हैं। अब दौड़ अंतरिक्ष के लिए नहीं है, बल्कि अब इस बात की दौड़ है कि इन

सभी तकनीकों को अंतरिक्ष आधारित फायदेमंद कारोबारों में कौन बदल पाता है? यह फायदे इस दौड़ में शामिल सभी देशों और कंपनियों को मिलेंगे। भारत ने इस सब में अपनी एक अहम और मजबूत स्थिति बना ली है।.. हेडफील्ड ने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी के मन में यह बात कई वर्षों से थी। वे भारत के अंतरिक्ष और शोध संस्थानों के साथ सीधे शामिल होते हैं। इस समय यह सही और स्मार्ट कदम नजर आता है। वे इस क्षेत्र को विकसित कर रहे हैं और निजीकरण भी करते जा रहे हैं। इससे कारोबारों को फायदा पहुंचेगा और इस तरह भारतीय लोगों को लाभ होगा।

कई परतों की ढाल ताप से बचाएगी

आदित्य एल1, चंद्रयान 3 के मुकाबले करीब चार गुना दूरी तय करेगा, लेकिन यह पिघलेगा नहीं। न सूर्य की गर्मी इसे नुकसान पहुंचाएगी। इसरो के अनुसार आदित्य एल1 को सूर्य के ताप से बचाने के लिए कई परतों की ढाल (मल्टी लेयर इंसुलेशन-एमएलआई) लगाई गई है। यह यान को अनुकूल तापमान बनाने में मदद करेगी। सूर्य की ऊपरी सतह कोरोना करीब 5 लाख डिग्री सेल्सियस तक गर्म मानी जाती है। आदित्य भले ही इससे करीब 14.85 करोड़ किमी दूर एल1 बिंदु पर होगा, लेकिन इसे सूर्य से आई गर्मी और विकिरणों का खतरा बना रहेगा।

सौर मंडल में मिल गया पृथ्वी का जुड़वा भाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां पृथ्वी जैसे ग्रह की तलाश के लिए ब्रह्मांड का कोना-कोना छान रही हैं. लेकिन अब पृथ्वी के जुड़वा भाई को लेकर कुछ ऐसा दावा हुआ, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जापान के एस्ट्रोनोमर्स ने खुलासा किया है कि पृथ्वी जैसा ग्रह हमारे सौर मंडल में ही मौजूद है। बस इस ग्रह तक जाना ही बाकी रह गया है। जिसने भी ये सुना है, वो हैरान रह गया है। इसकी एक प्रमुख वजह भी है।

दरअसल, एस्ट्रोनोमर्स का सालों से कहना रहा है कि हमारे सौर मंडल में आठ के बजाय नौ ग्रह होने की बात कही जाती रही है। प्लूटो से ग्रह का

दर्जा छीने जाने के बाद से ही सौर मंडल में ग्रहों की संख्या आठ हो गई। यही वजह है कि जापानी वैज्ञानिकों के इस दावे के बाद कहा जाने लगा है कि क्या सचमुच अब नौवें ग्रह की खोज हो गई है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर ये ग्रह हमारे सौर मंडल में किस जगह मौजूद है।

कुइपर बेल्ट में मौजूद है नौवां ग्रह

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, जापानी एस्ट्रोनोमर्स का कहना है कि नया ग्रह कुइपर बेल्ट में छिपा हुआ है। सौर मंडल के आखिरी ग्रह नेप्च्यून को जब पार किया जाता है, तो वहां से कुइपर बेल्ट की शुरुआत होती है। ये बेल्ट गोल आकार की है, जो पूरे सौर मंडल को घेरे हुए है। कुइपर बेल्ट में लाखों की संख्या में एस्टेरॉयड मौजूद हैं, जिनमें बर्फ जमी हुई है। सौर मंडल के बनने के दौरान बचे हुए टुकड़े ही कुइपर बेल्ट में मौजूद हैं।

पृथ्वी से कितना दूर है उसका जुड़वा भाई?

जापनी वैज्ञानिकों ने नए ग्रह को कुइपर बेल्ट प्लेनेट (च्यवक्क) का नाम दिया गया है। कुइपर बेल्ट पृथ्वी से 4।5 अरब किलोमीटर दूर मौजूद है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि केबीपी पृथ्वी से तीन गुना ज्यादा बड़ा है। लेकिन यहां तापमान इतना ज्यादा कम है कि पृथ्वी जैसे जीवन को बरकरार रखना बेहद ही नामुमकिन है। पृथ्वी सौर मंडल के हैबिटेबल जोन में आती है, यानी वो जगह जहां जीवन बेहद ही आसानी से पनप सकता है। जापान के ओसाका में मौजूद किंडाई यूनिवर्सिटी के पैट्रिक सोफिया लाइकावका और टोक्यो के नेशनल एस्ट्रोनोमिकल ऑब्जर्वेटरी ने इस स्टडी को किया है। स्टडी को द एस्ट्रोनोमिकल जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें वैज्ञानिकों ने कहा है कि हम पृथ्वी जैसे ग्रह के मौजूद होने की संभावना जताते हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि कुइपर बेल्ट में ग्रह हो सकते हैं। इस तरह के ग्रह सौर मंडल के शुरुआती दिनों मौजूद रहे हैं।

सार-समाचार

कोटक के संकल्प बचत खाता ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी ग्राहकों के नकद आधारित बैंकिंग की जरूरतों का समाधान किया

रायपुर। ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी ग्राहकों की नकदआधारित बैंकिंग की जरूरतों को संबोधित करते हुए कोटक महिंद्रा बैंकलिमिटेड (केएमबीएल/ कोटक) ने संकल्प बैंकिंग खाता शुरू करने कीघोषणा की है। इसमें वार्षिक 24 लाख रुपये तक की नकद जमा और निकासी पर शून्य प्रभार और खाता में अधिशेष रखने में लचीलापन जैसी अनेक सेवायें उपलब्ध हैं। इसके अलावा, संकल्प इन बाज़ारों में विशेष कीमत पर गोल्ड, टू-व्हीलर और ट्रैक्टर लोन भी प्रदान करता है। संकल्प बचत खाते को कृषि और खेती-बाड़ी से अलग आय वाले उभरतेग्राहक समूह को सेवा प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है। बैंकिंगसेवाओं के साथ, यह नया बचत खाता, ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी ग्राहकोंकी बैंकिंग संबंधी विकसित होती जरूरतों के लिए सम्मानार्थ टॉक टाइमऔर पेशॉपमोर डेबिट कार्ड की भी पेशकश करेगा। कोटक महिन्द्रा के प्रेसिडेंट एवं हेड - वितरण, रिटेल लायबिलिटीज, पुनीतकपूर ने कहा कि, 'गैर-महागरों में इंटरनेट की गहरी पहुँच और आय केबदलते आयामों के साथ, ग्राहक विविधतापूर्ण बैंकिंग सेवाएं चाहते हैं। वेनकद आधारित बैंकिंग सेवाएं और अधिक नकद निकालने की सीमा औरऋण में छूट जैसी बैंकिंग सेवाओं की तलाश में हैं। संकल्प बचत खाताआकर्षक मूल्यवर्द्धित सेवाओं के साथ आसान बैंकिंग उपलब्ध कराता है, जोकि ग्राहकों के इस समूह की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गयाहै।

स्कोडा ऑटो इंडिया कुशाक और स्लाविया के नए वैरिएंट के साथ उत्सव का शुभारम्भ किया

रायपुर। भारत में सबसे सुरक्षित, उच्चतम मूल्यांकन वाली, टक्कर-परीक्षित कारों के निर्माता, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक ओनिक्स प्लस और स्लाविया ऐम्बिशन प्लस के साथ दो नए उत्पादों की घोषणा की है। दोनों वैरिएंट त्योहारी कीमत, आकर्षक नए एक्सचेंज लाभ और विशेष कॉरपोरेट योजनाओं के साथ हैं। ये सभी विशेष सुविधायें सीमित अवधि तक उपलब्ध हैं। कुशाक ओनिक्स प्लस में बिल्कुल नए R16 ड्युअल अलॉय और एक विंडो क्रोम गार्निश है। फ्रंट ग्रिल रिब्स और पिछले भाग में ट्रंक गार्निश अब क्रोम में तैयार किए गए हैं। ओनिक्स प्लस 1.0 टीएसआई इंजन द्वारा संचालित होगा, जो मैनुअल ट्रांसमिशन से जुड़ा होगा। कुशाक ओनिक्स प्लस की कीमत 11.59* लाख रुपये है और यह केवल कैंडी व्हाइट और कार्बन स्टील रंगों में उपलब्ध होगा। स्लाविया ऐम्बिशन प्लस को फ्रंट ग्रिल, नीचे के ओर दरवाजे और ट्रंक गार्निश के लिए क्रोम पैकेज से सजाया गया है। कार में इन-बिल्ट डैशकैम होगा और यह सभी मौजूदा रंग के विकल्पों में उपलब्ध हैं। कुशाक ओनिक्स प्लस की तरह ही, स्लाविया ऐम्बिशन प्लस में भी 1.0 टीएसआई इंजन की विशेषता होगी। ग्राहक 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के बीच चुनाव कर सकते हैं। स्लाविया एम्बिशन प्लस 12.49* लाख रुपये की विशेष त्योहारी कीमत पर उपलब्ध है।

वॉल्वो कार इंडिया ने अपना पहला बोर्न इलेक्ट्रिक C40 रिचार्ज रुपये 61, 25,000 लाख में एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया

रायपुर। वोल्वो कार इंडिया ने आज अपना बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक C40 रिचार्ज 61,25,000 प्लस लागू करों की प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया। इसकी बुकिंग 5 सितंबर से शुरू होगी। C40 रिचार्ज की बुकिंग विशेष रूप से ऑनलाइन होगी और वोल्वो कार इंडिया वेबसाइट पर की जा सकती है। यह भारत में वोल्वो का दूसरा ईवी मॉडल है जिसे कंपनी के बेंगलुरु, कर्नाटक के होसाकोटे प्लांट में असेंबल किया गया है और यह 11 किलोवाट चार्जर के साथ आती है। श्री ज्योति मल्होत्रा, प्रबंध निदेशक, वोल्वो कार इंडिया ने कहा।-C40 रिचार्ज का लॉन्च भारत में हर साल एक नया इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करने के हमारे प्रयास के अनुरूप है। C40 रिचार्ज वोल्वो की पहली इलेक्ट्रिक कार है और इसमें लेदर फ्री इंटीरियर और कुछ उल्लेखनीय विशेषताएं हैं जो इसे स्पोर्टी और समकालीन तरीके से एक पूर्ण-इलेक्ट्रिक कार के रूप में स्पष्ट रूप से अलग करती हैं। C40 रिचार्ज वोल्वो के जिम्मेदार स्टाइलिंग के मूल मूल्य को प्रदर्शित करता है जो टिकाऊ गतिशीलता समाधान पेश करते हुए ब्रांड के सुरक्षा के उच्च मानकों को शामिल करता है। सुरक्षा प्रदर्शन के संबंध में C40 रिचार्ज को यूरो NCAP की फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त है। हमारी सभी पेशकशों की तरह C40 रिचार्ज को भी बेंगलुरु के होसाकोटे में हमारे प्लांट में असेंबल किया गया है और यह भारतीय बाजार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

विद्युत मंडल में भामसं का जागरण अभियान शुरू

कोरबा। प्रदेश के सभी विद्युत संयंत्रों में बिजली कर्मचारी संघ ने जनजागरण अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत बिजली कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता समूह बनाकर सभी विभागों में जा रहे हैं। कोरबा पश्चिम में शब्बीर मेमन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों से मुलाकात की। कोरबा पूर्व में यशवंत राठौर, पूर्णिमा साहू, सलील शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारियों से मुलाकात की गई।

शिक्षकों की बदौलत ही शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ जा सकता है - कलेक्टर नंदनवार

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर)। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला ग्रंथालय में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार, सम्मान समारोह में जिला स्तर पर चारों विकास खंडों से शिक्षकों के नाम चयनित किए गए थे, जिन्हें सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार में प्राथमिक शाला के 12 शिक्षकों को शिक्षा दूत पुरस्कार 5 हजार रुपये की राशि, माध्यमिक शाला के 3 शिक्षकों ज्ञानदीप पुरस्कार 7 हजार रुपये की राशि,उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राथमिक शाला के 4 प्रधान पाठक 1 हजार रुपये की राशि, उत्कृष्ट कार्य करने वाले माध्यमिक शाला के 4 प्रधान पाठक 1 हजार रुपये की राशि, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1 प्राचार्य को 1 हजार रुपये की राशि एवं सेवानिवृत्त हुए व होने वाले 18 शिक्षकों का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर विनीत नंदनवार ने शिक्षक दिवस का महत्व बताया और कहा कि आप सभी शिक्षकों की बदौलत ही शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि में जो कुछ हूं शिक्षक के बदौलत हूं और शिक्षक का महत्व हर क्षेत्र में होता है। कोई भी व्यक्ति बिना शिक्षक के कभी आगे नहीं बढ़ सकता। आप सभी सच्ची लगन व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। अंदरूनी क्षेत्रों में सेवाएं देते हैं, इसके लिए आप सभी को बधाई देता हूं।

शिक्षक दिवस के मौके पर जिला पंचायत सदस्य रामूराम नेताम एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी उद्बोधन में उन्होंने शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के मानवीय संसाधनों को विकसित करते हैं, जो भविष्य में देश के विकास में योगदान देते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर, आदिवासी विकास विभाग उपायुक्त डॉ आनंद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शिक्षक-शिक्षिका भी मौजूद थे।

यूनीफाईड डिस्ट्रिक्ट ऑपरेशन कमाण्ड के तहत् जिला पुलिस बल, सीआरपीएफएवं इंटेलीजेंस विभाग का संयुक्त मीटिंग

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) गौरव रॉय पुलिस अधीक्षक, दन्तेवाड़ा की अध्यक्षता में जिलों के नक्सल अभियान के सफल संचालन एवं विभिन्न सुरक्षा बलों के मध्य आपसी समन्वय हेतु पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार यूनीफाईड डिस्ट्रिक्ट ऑपरेशन कमाण्ड का गठन किया गया। जिले में नक्सलियों के विरूद्व प्रभावी कार्यवाही हेतु विभिन्न सुरक्षा बलों के मध्य आपसी समन्वय एवं अभियानों की सफलता हेतु आज दिनॉक 04.09.2023 को डीआरजी कार्यालय रक्षित केन्द्र दन्तेवाड़ा में यूनीफाईड डिस्ट्रिक्ट ऑपरेशन कमाण्ड मीटिंग सम्पन्न हुई। जिसमें ए के प्रसाद, कमाण्डेंट 230 वीं, राजीव कुमार कमाण्डेंट 195 वीं सीआरपीएफ मुख्या0 नेरली घाटी एवं बारसूर, जे पी सेम्युअल द्वितीय कमाण्ड अधिकारी 231 सीआरपीएफ मुख्या, गीदम, रामकुमार बर्मन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दन्तेवाड़ा, सत्या तंवर, उप सेनानी सीआरपीएफदन्तेवाड़ा, उप पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा एवं सहायक सेनानी 111 वीं मुख्यालय कारली सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इस मीटिंग में आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 शांति पूर्ण मतदान कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था अतिसंवेदनशील/ संवेदनशील मतदान केन्द्र, फोर्स मुव्हमेंट, चुनाव के मद्देनजर जिला बल एवं सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी के साथ अधिक-अधिक एरिया डामिनेशन एवं ऑप्स प्लान करने, सीआरपीएफअधिकारियों द्वारा दूरसंचार की व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं कमारगुड़ा से जगरगुण्डा बारिश की वजह से बंद सड़क मार्ग को चालू कराने चर्चा की गयी। जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा भारतीय नेट परियोजना के तहत कार्य केबल बिछाने के साथ-साथ उक्त मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य चालू किये जाने अवगत कराया गया। आसूचना तंत्र को सक्रिय कर सूचनाएं प्राप्त करना तथा सूचनाओं को आदान-प्रदान करते हुए संयुक्त अभियान चलाये जाने, फोर्स मूव्हमेंट दौरान आरएसओ सर्च ऑपरेशन पर विशेष ध्यान देने, आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 सम्पन्न हेतु बाहर आये फोर्स को सीआरपीएफकैम्पों में रूकवाने के संबंध में। बाहर से आने वाले फोर्स रूकने के स्थानों की मरम्मत कार्य सितम्बर 2023 का पूर्ण कराये जाने एवं उसके लिए सीआरपीएफ अधिकारियों को अतिशीघ्र मांग पत्र भेजने के संबंध में। चुनाव मद्देनजर व्हीआईपी एवं स्थानीय व्हीआईपी के भ्रमण दौरान रोड सुरक्षा हेतु आरएसओ लगाने, मतदान केन्द्रों की सूची उपलब्ध कराने के संबंध में। थाना प्रभारी एवं कम्पनी कमाण्डर के मध्य आपसी समन्वय पर तथा संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से सर्च कराने आदि महत्वपूर्ण विषय के साथ-साथ आगामी विधानसभा निर्वाचन में फोर्स की तैयारियॉ तथा मतदान शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने विषयों पर भी चर्चा की गयी।

मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि का वितरण किया गया

संसदीय सचिव एवं विधायक शिशुपाल शोरी की पहल से मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि का चेक का वितरण नाहरपुर संस्कृतिक भवन में

नरहरपुर विकासखंड के 137 ग्रामीणों को स्वेच्छा अनुदान राशि प्रदान की गई

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरहरपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष संजू लता नेताम अध्यक्षता

नरहरपुर से लोतकर अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर। पूर्व जनपद अध्यक्ष जनपद पंचायत नरहरपुर कौशल्या शोरी, विशेष अतिथि के रूप में जनपद सदस्य संत राम मरकाम, बस्तर संभाग सरपंच संघ उपाध्यक्ष महंत नरेटी के द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि इंद्रभान साहू, टिकेश्वर यादव, दुष्यंत शोरी, बलराम नेताम, अर्जुन नेताम, बसंत तिवारी, रतन साहू, आत्माराम ऊसेंडी, चेतराम भास्कर, मेहतर मरकाम, कोमल सिंह जैन, दिनेश पांडे, प्रताप भास्कर ,लोकेश्वरी जैन, रतनी बाई जैन, मीनाक्षी मंडावी, निर्जला नेताम, उर्वशी मरकाम, कविता भास्कर, चंद्रिका जूरी, जयंती मंडावी आदि को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत मधापुर संजूलता नेताम ने कहां की क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी कि पहल से आप लोगों को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि प्रदान किया जा रहा है उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने 5 साल की कार्यकाल में छत्तीसगढ़ में अनेक विकास कार्य हुए हैं उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के किसान सरकारी समर्थन मूल्य में 20 क्विंटल धान बेच पाएंगे भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 15 साल में छत्तीसगढ़ में भाजपा ने सिर्फ ठगने का काम किया है आने वाली विधानसभा चुनाव में भी छत्तीसगढ़ में सर कांग्रेस की सरकार बनेगी क्योंकि छत्तीसगढ़ की जनता भूपेश सरकार से काफी खुश है सभा को पूर्व जनपद अध्यक्ष कौशल्या सोरी ने भी संबोधित किया

किसान संगठन बासनवाही क्षेत्र ने सुखा ग्रस्त घोषीत करने की मांग को लेकर कलेक्टर महोदया को सौंपा ज्ञापन

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर। बासनवाही क्षेत्र के ग्रां साईमुंडा, कोटलभट्टी छापरपारा गढ़िया पारा छिड़का पारा अलबेला पारा बासनवाही के किसान अल्प वर्षा के कारण सूखे से अधिक प्रभावित हुए है लो वेल्टेज और जल के नीचे गिरते स्तर के कारण जो थोड़ा बहुत कुछ किसानो का फसल था ओ भी सूखने लगा है क्षेत्र के किसान बहोत ज्यादा चिंतित और परेशान हैं जिसको लेकर आज बासनवाही क्षेत्र किसान संगठन के द्वारा जिला मुख्यालय कांकेर पहुंच कर कलेक्टर महोदया को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित कराने की मांग किए जिसमे मुख्य रूप से क्षेत्र के किसान नकुल निषाद प्रकाश द्विवेदी राजकिशोर नाग टिमेश नेताम कमलेश मरकाम जनक प्रसाद जागेश्वर रविंद्र कुमार गमेंद्र नेताम गौतम मरकाम संकर लाल उमिल मेहर सिंह मिथलेश बाबू लाल हीरा सिंह प्यारी लाल कैलाश नागेश और क्षेत्र के किसान रहे सामिल

भिरौद एवं पोटगांव गौठान में तैयार किया जा रहा है गौमूत्र से ब्रह्मास्त्र

समूह को 05 लाख 07 हजार रुपये से अधिक की आमदनी

अशोक जैन रिपोर्ट

कांकेर :- छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित गोधन न्याय योजना के तहत कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा गोधन न्याय योजनांतर्गत दो गौठान कांकेर विकासखंड के पोटगांव एवं चारामा विकासखंड के भिरौद गौठान में गौमूत्र की खरीदी की जा रही है। इन गौठान में महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गौमूत्र से ब्रम्हास्त्र का निर्माण किया जा रहा है। गौमूत्र का फसलों में उपयोग करने से भूमि का उर्वरक शक्ति अधिक समय तक बनी रहती है, जिससे फसल उत्पादन में

मददगार साबित होती है। पशुधन विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कांकेर विकासखण्ड के पोटगांव गौठान में शिव स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 10 हजार 34 लीटर गौमूत्र की खरीदी किया जाकर 04 हजार 698 लीटर ब्रह्मास्त्र तैयार किया गया, जिसके विक्रय से समूह को 02 लाख 34 हजार 900 रुपये की आमदनी प्राप्त हुई है। इसी प्रकार चारामा विकासखंड के भिरौद गौठान में जानकी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अब तक 10 हजार 968 लीटर गौमूत्र की खरीदी किया जाकर 05 हजार 452 लीटर ब्रह्मास्त्र तैयार किया गया है, जिसके विक्रय से समूह को 02 लाख 72 हजार 600 रुपये की आमदनी हुई है। इस प्रकार गौमूत्र से कीटनाशक ब्रम्हास्त्र तैयार कर महिला स्व. सहायता समूह ने राज्य में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उल्लेखनीय है कि जिले में पोटगांव एवं भिरौद गौठान में महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा 04 रुपये प्रति लीटर की दर से गौमूत्र खरीदी की जा रही है तथा उससे ब्रह्मास्त्र तैयार किया जाकर विक्रय किया जा रहा है।

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक संपन्न

निर्वाचन में नाम जोड़ने का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करें- नंदनवार

नीट, जेईई, तथा अंग्रेजी के पाठशाला को निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) 05 सितंबर 2023। कलेक्टर विनीत नंदनवार की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय की सभा कक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने निर्वाचन संबंधी सभी कार्य को गंभीरतापूर्वक पूर्ण करने की निर्देश दिए साथ ही नाम जोड़ने का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची से छूटे ना। उन्होंने वर्तमान में जिला में चल रहे मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रगति की जानकारी ली और निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया। नंदनवार ने मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी गंभीरता, सूक्ष्मता और सावधानी से करने को कहा।

बैठक दौरान कलेक्टर विनीत नंदनवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश का शतप्रतिशत पालन करते हुए निर्वाचन व्यय की मॉनिटरिंग के लिए जिले में नशीले पदार्थ, नगदी एवं अन्य सामग्री के परिवहन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के लागू होने का इंतजार न करते हुए ऐसे मामलों में तत्परता से कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों में व्यवस्था, ईवीएम और वीवीपैट की उपलब्धता व भंडारण तथा मानव संसाधन, वाहन तथा शिकायत निवारण प्रबंधन की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को विधानसभा चुनाव के लिए पूरी लगन और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने कहा। साथ ही मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान केन्द्रों में पेयजल, फर्नीचर व दिव्यांगजनों के लिए रैम्प आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मॉडल मतदान केन्द्र एवं आदर्श मतदान केन्द्र तथा मतदान करने वाले मतदाता जो मतदान केन्द्र तक नहीं आ सकते, ऐसे मतदाताओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने गिरदावरी का कार्य होने के साथ ही राजीव गांधी किसान न्याय योजना में किसानों का पंजीयन तेजी से पूरा करें। इसके लिए सभी आरएईओ से प्रतिदिन मंगवाते जाये। जिससे समय-सीमा के भीतर योजना में किसानों के पंजीयन का कार्य पूरा किया जा सके। उन्होंने ने शिक्षा पाठ्यक्रम के तहत नीट, जेईई तथा अंग्रेजी के पाठशाला की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों से समय सीमा के लंबित प्रकरणों की क्रमवार गहन समीक्षा की। उन्होंने, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, क्रेडा, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों के समय सीमा में लंबित प्रकरणों की बारी-बारी से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर संजय कन्नौजे, संयुक्त कलेक्टर सुरेंद्र ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

कलेक्टर विनीत नंदनवार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। जिले के ग्रामीण जन एवं आम नागरिकों द्वारा जनदर्शन में अपनी छोटी या बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करते है। कलेक्टर नंदनवार ने आवेदन पर विचार कर संबंधित विभाग प्रमुख को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश समय-सीमा में दिए।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर। सेक्टर 1 उदिया सोसायटी स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 30 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राहुल एस 31 वर्ष सेक्टर 1 उदिया सोसायटी टाटीबंध का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी 31 अगस्त को कहीं बाहर गया हुआ था। जब कल वापस लौटा तो देखा की उसके मकान का ताला टूटा हुआ है और आलमारी में रखे नकदी 30 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर गायब है। चोरी गए जुमला कीमती करीब 2 लाख 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर अधेड़ को पीटा

रायपुर। फुल चौक हनुमान मंदिर के पास शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर अधेड़ से मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दीपक जना 46 वर्ष जोरापारा मौदहापारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी बजरंग चौहान ने प्रार्थी से शराब पीने के लिए पैसा मांगा। पैसे नहीं देने पर आरोपी ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया और नुकीली चीज से जांघ पर मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 327 के तहत अपराध दर्ज किया है।

सोने की चेन पर अज्ञात चोर ने किया हाथ साफ

रायपुर। दुबे कालोनी स्थित शुभकामना अस्पताल के पास एक मकान से अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने का चेन पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया ऐश्वर्य तिवारी 22 वर्ष शुभकामना अस्पताल के पास दुबे कालोनी की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत की कि रक्षाबंधन त्योहार के दिन 30 अगस्त को अज्ञात चोर ने उसके घर के कमरे में प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने का चेन पार कर दिया। चोरी गए चेन की कीमत करीब 67 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफधारा 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर। खमतराई बाजार स्थित सुलभ के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रोशन मंडले 19 वर्ष खमतराई बाजार का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपने घर के बाहर बाइक क्रमांक सीजी 11 एएन 0501 को खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 17 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध शराब के साथ 5 कोचिया गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले कोचियो के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 5 कोचियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 144 पाव देशी शराब, बिक्री रकम 220 व स्कूटी जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती पुलिस ने सोनकर पेट्रोल पंप के पास भाठागांव में अवैध शराब के साथ आरोपी भगवती प्रसाद पटेल 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 35 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह खमतराई पुलिस ने आरोपी घनश्याम कुमार 49 वर्ष के पास से 32 पाव देशी शराब व सेजबहार पुलिस ने आरोपी मोतीराम तारक 29 वर्ष के पास से 13 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 220 रुपए जब्त किया है। वहीं राजेन्द्र नगर पुलिस ने छत्रपाल साहू 34 वर्ष के पास से 40 पाव देशी शराब व स्कूटी जब्त किया है।

सरेआम शराब पीते दर्जन भर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार देवेन्द्र नगर पुलिस ने फाफडीह शराब दुकान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी संदीप मोहती 42 वर्ष, रंजीत कुम्हार 25 वर्ष व सोनु कुम्हार 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

मंत्री अमरजीत भगत ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

भंडार गृह के कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई

- खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी के तैयारियों की ली जानकारी
- उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कस्टम मिलिंग के जिलेवार भुगतान राशि के संबंध में अद्यतन स्थिति की जानकारी ली

रायपुर/ संवाददाता

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत भगत ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ और छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। मंत्री श्री भगत ने नवीन धान खरीदी केंद्रों, पीडीएस दुकानों के आबंटन, पीडीएस दुकानों में चावल की उपलब्धता, नमक, गुड़, चना के संग्रहण की अद्यतन स्थिति कस्टम मिलिंग, बारदानों की उपलब्धता सहित विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए। खाद्य मंत्री श्री भगत ने अधिकारियों से नवीन धान खरीदी केन्द्रों के लिए जिलेवार प्राप्त प्रस्तावों की जानकारी ली। उन्होंने पीडीएस दुकानों के आबंटन तथा दुकानों में पीओएस मशीन लगाने में आ रही दिक्कतों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। मंत्री ने किसान पोर्टल में पंजीयन, खाद्य विभाग के अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती, नवीन खाद्य निरीक्षकों की पदस्थापना के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर उचित कार्यवाही करने को कहा। नागरिक आपूर्ति निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री भगत ने नमक, गुड़, चना के संग्रहण और पीडीएस हेतु चावल की उपलब्धता की जानकारी लेकर मांग व आपूर्ति के अनुरूप भण्डारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कस्टम मिलिंग के जिलेवार भुगतान राशि के संबंध में अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मंत्री श्री भगत ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी के तैयारियों की समीक्षा करते हुए नये पुराने बारदानों की उपलब्धता, धान खरीदी केन्द्रों के भौतिक सत्यापन की स्थिति के बारे में चर्चा की और इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री भगत ने बैठक छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि नवनिर्मित गोदामों का संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण करें और वहां आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फूड टेस्टिंग लैब के संबंध में अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली।

दिवंगत कवि शिवानंद महान्ती के क्षणिका-संग्रह कुछ ही क्षणों में का विमोचन....

रायपुर/ संवाददाता

पिथौरा 3 सितम्बर 2023 /छत्तीसगढ़ के दिवंगत कवि शिवानंद महान्ती की 40 क्षणिकाओं के संग्रह 'कुछ ही क्षणों में' का विमोचन कल 2 सितम्बर को अपरान्ह उनके गृहनगर पिथौरा (जिला ; महासमुंद) में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त ,विशेष अतिथि वरिष्ठ भाषा विज्ञानी डॉ. चित्तरंजन कर तथा वरिष्ठ पत्रकार पूर्णचन्द्र रथ और समारोह के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार जी. आर. राना ने पुस्तक का विमोचन किया। गुरु तेगबहादुर भवन में आयोजित समारोह में इन सभी अतिथियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वर्गीय शिवानंद महान्ती के काव्य सृजन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। ज्ञातव्य है कि पिछले साल 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन पिथौरा में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद रायपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान 14 अगस्त को उनका निधन हो गया था। उनकी क्षणिकाओं का संग्रह 'कुछ ही क्षणों में 'का प्रकाशन श्रृंखला साहित्य मंच पिथौरा द्वारा महान्ती परिवार के सहयोग से उनकी प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में किया गया था । शिवानंद के परिजनों द्वारा धार्मिक मान्यताओं और रीति रिवाजों के अनुसार उनकी प्रथम बरसी कल 2 सितम्बर को मनाई गयी। इसी अवसर पर उनकी इस पुस्तक का विमोचन हुआ। संग्रह का सम्पादन स्वराज्य करुण ने किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय शिवानंद महान्ती आधुनिक हिन्दी कविता की क्षणिका विधा के सिद्धहस्त और सशक्त रचनाकार थे । उनकी छोटी-छोटी कविताओं क्षणिकाओं में देश और दुनिया की सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों पर व्यंग्य प्रहार के साथ त्वरित काव्यात्मक टिप्पणियाँ भी मिलती हैं। । उन्होंने कई क्षणिकाओं में अपने आस-पास के सामाजिक और प्राकृतिक परिवेश का भावनात्मक चित्रण भी किया है । न्यूनतम शब्दों में दिल को छू लेने वाली अधिकतम बातें उनकी क्षणिकाओं की विशेषता थी।

मुख्य सचिव ने महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिव मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात तथा विशेष अवसरों पर जिलों के दौरे के दौरान की गई विभिन्न घोषणाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले मौजूद थी। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई ज्यादातर घोषणायें पूर्ण की जा चुकी हैं। शेष रही घोषणाओं के क्रियान्वयन की कार्यवाही तेजी से की जा रही है। मुख्य सचिव ने राज्य शासन के विभागीय सचिवों को निर्देश दिए है कि वे विभागीय स्तर पर मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही बजट में शामिल की गई सभी स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यों के भूमि पूजन एवं लोकार्पण के कार्यों की तैयारी कर ले। मुख्य सचिव ने बैठक में विभिन्न विभागों के न्यायालयीन प्रकरणों के आदेशों के पालन की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को माननीय न्यायालय के प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित इस बैठक में प्रमुख सचिव शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी., मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, वित्त विभाग के सचिव अंकित आनंद, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डी.डी.सिंह।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर फगवाड़ा में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत कलश यात्रा के दौरान।

अब बस्तर में फर्जी एनकाउंटर में नहीं मारे जाते आदिवासी

छत्तीसगढ़ के युवा राहुल गांधी के साथ खड़े हैं-दीपक बैज...

- छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बचाना है तो फिर से कांग्रेस की सरकार बनाना है

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद दीपक बैज ने राजीव युवा मितान सम्मेलन में संबोधित करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हमारासौभाग्य है कि हमारे बीच हमारे देश के नेता राहुल गांधी उपस्थित हैं। हमारे नेता राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक 3500 किलोमीटर यात्रा देश के बदलाव के लिए, देश के परिवर्तन के लिए और केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पैदल यात्रा की। देश को शांति का संदेश दिया। आज देश बंटवारे की ओर है। उसे राहुल गांधी जी ने शांति का संदेश दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यह युवा सम्मेलन सरकार और जनता के बीच की कड़ी है, जो जनता की योजनाओं के बीच जाते हैं, जनता को सरकार की योजना की जानकारी देना, लागू करवाना है। युवा मितान जनता की मदद में लगे हुए हैं। हमारे छत्तीसगढ़ में पौने 5 साल में कांग्रेस सरकार में बहुत काम हुआ है और आपके निर्देशन में कांग्रेस की सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में बस्तर से लेकर सरगुजा तक हर योजना हर वर्ग तक पहुंचाई है।

कांग्रेस ने भाजपा के लिए जारी किया काला चिट्ठा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के आरोप पत्र का जवाब देते हुए आज पीसीसी की ओर से भी भाजपा के खिलाफ काला चिट्ठा जारी किया है। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, ऑब्जर्वर प्रीतम सिंह की उपस्थिति में कांग्रेसजनो ने यह काला चिट्ठा जारी किया है। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ की कांग्रेस पार्टी की ओर से भारतीय जनता पार्टी के करतूतों का कुशासन का उनकी केंद्र की मोदी सरकार की वायदा खिलाफी, भ्रष्टाचार, कुशासन का काला चिट्ठा खोल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 15 साल तक भाजपा की सरकार थी, 15 साल के भाजपा के शासन का दौर छत्तीसगढ़ के लिये काला अध्याय था। भाजपा के जन विरोधी आचरण के खिलाफ भाजपा का काला चिट्ठा जारी कर रहे हैं। इसमें 9 साल की मोदी सरकार की वायदा खिलाफी, 15 साल के रमन राज में छत्तीसगढ़ का शोषण, भ्रष्टाचार वायदा खिलाफी। भाजपा का चरित्र आदिवासी विरोधी अनुसूचित जाति विरोधी। हमारे द्वारा प्रस्तुत भाजपा के काला चिट्ठा में कुल 212 बिंदु है, जिसमें से मोदी सरकार का काला चिट्ठा-85 बिंद, मोदी के कुशासन जनविरोधी फैसले 26 बिन्दु, रमन उनके मंत्री मंडली।

हजार स्वास्थ्य कर्मचारियों की नौकरी गई,कर रहे थे हड़ताल

रायपुर/ संवाददाता

तीन जिलों के कलेक्टरों ने कल एस्मा लगने के बाद ड्यूटी पर न लौटने वाले करीब 1200 स्वास्थ्य कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें कोरबा में 337, जगदलपुर में 269, कांकेर में 568 शामिल हैं।आज कुछ और जिलों में आदेश जारी होने के संकेत हैं । वहीं स्वास्थ्य कर्मचारी शनिवार को 13 वें दिन भी हड़ताल पर रहेंगे। दूसरी ओर कलेक्टरों के आदेशों का विरोध तेज हो रहा है । कर्मचारी नेताओं ने इसे सरकार का दमन कहते हुए चुनाव में देख लेने की चेतावनी भी दी है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के पूर्व प्रांत अध्यक्ष, संरक्षक पीआर यादव ने कहा कि हड़ताली स्वास्थ्य कर्मियों की बर्खास्तगी हिटलरशाही है। इसका संघ कटु शब्दों में निंदा करते हुए राज्य शासन से मांग करता है कि बर्खास्तगी आदेश तत्काल वापस लिया जाए और हड़ताली स्वास्थ्य कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी मांगों पर लोकतांत्रिक तरीके से निराकरण किया जाए। यह कार्यवाही 35 वर्ष पूर्व सुश्री जयललिता तत्कालीन मुख्यमंत्री तमिलनाडु के उसे बरबर कार्यवाही की याद दिलाती है जिन्होंने तमिलनाडु के हड़ताली चार लाख कर्मचारियों को निलंबित/ बर्खास्त की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफपूरे देश के राज्य के कर्मचारियों ने तब आंदोलन कर तमिलनाडु के बर्खास्त कर्मचारियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित किए थे।

मौत को दावत:, लेकिन कार्रवाई सिर्फ2.82 फीसदी पर

गाड़ी चलाते समय हर 7वां व्यक्ति मोबाइल पर करता है बात

रायपुर/ संवाददाता

ट्रैफिक विभाग के एक सर्वे के अनुसार राजधानी में गाड़ी ड्राइव करते समय हर 7वां व्यक्ति मोबाइल पर बात करता है। एक हाथ में मोबाइल और दूसरे हाथ में गाड़ी का हैंडल या स्टीयरिंग होता है। विभाग की ओर से हर साल 59 हजार से ज्यादा गाड़ियों पर चालानी कार्रवाई की जाती है। लेकिन इसमें मोबाइल पर बात करने वाले करीब 1666 ही होते हैं। यानी कुल चालानी कार्रवाई का केवल 2.82 फीसदी है। गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई नहीं होने की वजह से यह लापरवाही बढ़ती ही जा रही है। मोबाइल पर बात करने के दौरान हादसे की संभावना बढ़ जाती है। ट्रैफिक पुलिस का दावा है कि सड़क पर 12 फीसदी हादसे इसी वजह से हो रहे हैं। राजधानी के लगभग सभी चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके बावजूद मोबाइल पर बात करने वालों के घर पर चालान कम भेजे जा रहे हैं। आधे से ज्यादा ई-चालान सिग्नल तोड़ने या गलत रूट पर चलने वालों को ही भेजे जा रहे हैं। नियमानुसार पहली बार नियम तोड़ने पर एक हजार जुर्माना वसूला जाता है। पुलिस की हाईटेक (आईटीएमएस) कार्रवाई में भारी गड़बड़ी सामने आ रही है। पुलिस कंट्रोल रूम से कैमरे देखकर चालानी कार्रवाई कर रही है। इसलिए 95 फीसदी चालान दोपहिया वालों पर ही हो रहे हैं। बाइक-मोपेड-स्कूटी पर

फोन पर बात करते हुए लोग कैमरे में दिख जाते हैं। लेकिन कार, ऑटो समेत अन्य गाड़ियों में बात करने वाले कैमरे में साफ-साफ नजर नहीं आते हैं। इसलिए तीन और चार पहिया वालों पर सबसे कम चालानी कार्रवाई हो रही है। जबकि कार या बड़ी गाड़ी चलाने वाले ज्यादातर लोग ड्राइव करते समय फोन का उपयोग करते हैं। पुलिस जब फील्ड या चौराहों पर जांच के लिए उतरती है तभी इन पर कार्रवाई होती है। इस साल जनवरी से अगस्त तक 8 माह में पुलिस ने 61 हजार गाड़ियों पर कार्रवाई की है। लेकिन इसमें भी फोन पर बात करने वाले केवल 1219 ही हैं। यानी अभी तक कुल चालानी कार्रवाई में केवल 1.98 फीसदी। गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने वालों पर हर साल कार्रवाई कम हो रही है। इसलिए ऐसे लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इस साल अभी सबसे ज्यादा बिना हेलमेट वालों पर कार्रवाई की जा रही है। पिछले 17258 और इस साल 22822 लोगों पर हेलमेट नहीं पहनने पर जुर्माना वसूल किया गया है। इसके बाद नो पार्किंग पर खड़ी ?गाड़ियों पर कार्रवाई की गई। 2022 में 13 हजार और 2023 में अभी तक 13300 गा ?ड़ियों पर कार्रवाई की गई है। गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने वालों पर कैमरों के साथ ही फील्ड में भी चालानी कार्रवाई की जाएगी। गाड़ी चलाते समय मोबाइल के उपयोग से हादसे ज्यादा होते हैं। इसलिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाता है। लोगों को भी इसके लिए जागरूक होना होगा। खासतौर पर युवाओं को इससे बचना होगा। माता-पिता भी घर से समझाइश देकर भेजें। -गुरजीत सिंह, डीएसपी ट्रैफिक राजधानी के कई चौक-चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल ने लोगों को परेशान कर दिया है। जिन चौराहों में ज्यादा हादसे हो रहे हैं वहां के सिग्नल ही हफ्तों से बंद हैं। इतना ही नई कई चौराहों की टाइमिंग ही गड़बड़ा गई है। सड़क पर गा ?ड़ियों का प्रेशर कम है, लेकिन सिग्नल की टाइमिंग इतनी बढ़ा दी गई है कि लोग सब्र नहीं करते हैं और सिग्नल तोड़कर चले जाते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com